ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक-309 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 मई 2026
शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
43.4 अधिकतम
29.8 न्यूनतम

Page-7

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की तीन दिनी चीन यात्रा के पीछे हैं बहुआयामी इरादे

एनालिसिस
राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन यात्रा महज औपचारिक कूटनीतिक दौरा नहीं। यह यात्रा उस बदलती वैश्विक व्यवस्था का संकेत है, जिसमें अब लड़ाई केवल व्यापार की नहीं बल्कि तकनीक, ऊर्जा और डिजिटल मुद्रा में वैश्विक प्रभाव क्षेत्र की बन चुकी है। एआई चिप्स से लेकर ईरान संकट और डॉलर को मिलती चुनौती जैसे कई मुद्दों की परतें और कई रणनीतिक संदेश इसमें छुपे हैं।

चीन जाते हुए की गई ट्रम्प की सोशल मीडिया पोस्ट अपने आप में बहुत कुछ बयान कर रही थी। उन्होंने बताया था कि एनविडीया के सीईओ जेन्सेन हुआंग उनके साथ एयर फ़ोर्स वन में मौजूद हैं। उनके साथ एलन मस्क, टिम कुक और क्रिस्टीयानो अमोन सहित सभी प्रमुख अमेरिकी कारोबारी शामिल हैं। इसके पीछे मतलब भी हैं और कई भ्रम तोड़ने की कवायद भी। ट्रम्प की मानें तो यह यात्रा अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों को मजबूती देने और चीन के बाजार को अमेरिकी कंपनियों के लिए अधिक खोलने के मकसद से हो रही है।असल कहानी इससे कहीं बड़ी है। रॉयटर्स समेत कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स इस यात्रा को अमेरिका-चीन तकनीकी तनाव के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम मान रही हैं। खासकर एआई चिप्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में एनविडीया की भूमिका को देखते हुए जेनसन हुआंग की मौजूदगी को बेहद अहम संकेत माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने चीन के हाई-एंड एआई चिप्स और उन्नत सेमीकंडक्टर तकनीक की बिक्री पर लगातार प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका की चिंता साफ है, वो यह कि यदि चीन को अत्याधुनिक एआई प्रोसेसिंग क्षमता मिलती रही, तो आने वाले समय में वह केवल आर्थिक नहीं बल्कि सैन्य और साइबर शक्ति के क्षेत्र में भी अमेरिका को चुनौती दे सकता है। यही वजह है कि सेमीकंडक्टर युद्ध अब आधुनिक दौर का ÷साइलेंट कोल्ड वॉर÷ बन चुका है। जेनसन हुआंग का ट्रम्प के साथ चीन जाना एक बड़ा राजनीतिक संदेश देता है। यह संकेत है कि अमेरिका चीन के साथ रिश्ते पूरी तरह तोड़ना नहीं चाहता। वह पूर्ण टकराव के बजाय ÷नियंत्रित प्रतिस्पर्धा÷ और रणनीतिक संतुलन की नीति पर आगे बढ़ना चाहता है। यदि जेनसन हुआंग इस प्रतिनिधिमंडल से बाहर रहते, तो इसे चीन के प्रति और कठोर अमेरिकी रुख के संकेत के रूप में देखा जाता। ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से इसका खंडन करके यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि अमेरिकी टेक उद्योग उनकी रणनीति के साथ खड़ा है। राजनीतिक रूप से भी यह ट्रम्प के लिए अहम् इसलिए है क्योंकि वह खुद को ऐसे नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं जो चीन के साथ कठोर बातचीत भी कर सकता है और अमेरिकी कंपनियों के हित भी सुरक्षित रख सकता है। ट्रम्प जानते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार पर टेक कंपनियों का प्रभाव बेहद बड़ा है। ऐसे में यदि यह संदेश जाता कि अमेरिकी टेक दिग्गज उनकी चीन नीति से असहज हैं, तो इसका असर घरेलू राजनीति और निवेशक विश्वास दोनों पर पड़ सकता था।

तेहरान के साथ ताइवान भी चीन के लिए अहम: इस पूरी यात्रा का सबसे अहम लेकिन कम चर्चित पहलू ईरान से अमेरिका की खटास और ताइवान से रिश्तों की मिठास का भी है। पश्चिम एशिया में स्ट्रेट ऑफ़ हॉर्मुज़ पर मंडराते संकट से तेल आपूर्ति की बढ़ती अनिश्चितता ने दुनिया की अर्थव्यवस्था के माथे पर बल पैदा किए हैं। अमेरिका को अहसास है कि चीन और ईरान के बीच ऊर्जा और व्यापारिक संबंध की मजबूती स्ट्रेट ऑफ़ हॉर्मुज़ पर टिकी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रम्प से तीन दिनी बातचीत के पहले ही इसमें तेहरान के साथ ताइवान को भी जोड़ दिया। जिनपिंग ने चेताया है कि यदि यह मसले सही तरीके से नहीं सुलझे तो दोनों देशों में टकराव बढेगा। चीन और अमेरिका के संबंध खतरनाक मोड़ पर पहुँच जाएंगे। जाहिर है कि ट्रम्प की यह यात्रा केवल व्यापारिक नहीं बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और प्रतिबंध की राजनीति के साथ अमेरिका की ताईवान को आधुनिक हथियारों की आपूर्ति के बड़े आर्डर से भी गहराई से जुड़ी है। तेहरान से लेकर ताइवान तक अमेरिका की कूटनीति चीन को रास नहीं आ रही है।

अमेरिका-चीन संबंधों के बीच ईरानी पेंच : चीन और ईरान के बीच क्रिप्टोकरेंसी आधारित व्यापार का कोई आधिकारिक डेटा सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं है, लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स और विशेषज्ञों के आकलन बताते हैं कि दोनों देश अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ईरान विशेष रूप से टीथर यानी यूएसडीटी जैसी डिजिटल मुद्राओं का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ा रहा है। अमेरिका भी इससे अनजान नहीं है। वॉशिंगटन जानता है कि चीन, ईरान और रूस सहित कई देश धीरे-धीरे डॉलर आधारित वैश्विक भुगतान व्यवस्था का विकल्प खड़ा करने की कोशिशों में जुटे हैं। इस लिहाज से यह यात्रा केवल व्यापार नहीं बल्कि वैश्विक वित्तीय शक्ति संतुलन की रस्साकशी से भी जुड़ी है। अमेरिकी पाबंदियों के चलते ईरान पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम और स्विफ्ट का प्रभावी उपयोग नहीं कर पाता। ऐसे में चीन के साथ तेल निर्यात और अन्य आयातों के भुगतान में बिटकॉइन और यूएसडीटी जैसी क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल बढ़ा है। ईरान में बिटकॉइन माइनिंग भी बड़े पैमाने पर होती है। ईरानी भी बढ़ती मुद्रास्फीति और गिरते रियाल से बचने क्रिप्टो को अपना रहे हैं। नोबिटेक्स जैसे घरेलू एक्सचेंज तेजी से लोकप्रिय हुए हैं।

पुतिन और शरीफ भी पीछे-पीछे : ट्रम्प की चीन यात्रा के तुरंत बाद व्लादिमीर पुतिन भी 18 मई को चीन पहुंच रहे हैं। पाकिस्तानी पीएम शाहबाज शरीफ 23 मई को चीन जाएंगे। इससे साफ़ है कि आगे चलकर चीन वैश्विक शक्ति संतुलन का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। रूस, पाकिस्तान, ईरान और अमेरिका की रणनीतिक चिंताएं किसी न किसी रूप में बीजिंग से जुड़ती दिख रही हैं। दुनिया अब केवल सैन्य गठबंधनों की राजनीति तक सीमित नहीं। अब तकनीक, एआइ चिप्स, सप्लाई चेन, ऊर्जा मार्ग और डिजिटल मुद्रा नई वैश्विक शक्ति के हथियार बन चुके हैं। ट्रम्प की चीन यात्रा इसी का संकेत है, जहाँ युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं बल्कि डेटा, डॉलर, सेमीकंडक्टर और आर्थिक नेटवर्क के भीतर भी लड़ा जा रहा है।

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार पेट्रोल- डीजल के दाम तीन - तीन रुपए बढ़े

ईंधन की आग... बढ़ेगी महंगाई

नईदिल्ली, एजेंसी

आखिरकार केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि कर दी गई है। दोनों की कीमतों में तीन - तीन रूपए का इजाफा किया गया है। इस फैसले का सीधा असर अब रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ना तय माना जा रहा है। परिवहन खर्च बढ़ने के साथ ही खाद्य पदार्थों से लेकर जरूरी सामानों की कीमतों में भी उछाल आने की आशंका है। ऐसे में महंगाई की एक नई मार झेलने के लिए आम लोगों को तैयार रहना होगा।

पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए और डीजल 90.67 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। भोपाल में पेट्रोल अब 109.71 रुपए और डीजल 94.88 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 रु प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो छ्हत्त के लिए 79.09 रु खर्च करने होंगे। डीजल के दाम बढ़ने से ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ना तय माना जा रहा है जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे। ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी। सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। सरकार अब तक यह तर्क देती रही थी कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके चलते पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 15 फीसदी से 20 फीसदीतक बढ़ गईं, लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया।

चुनाव से पहले कटौती हुई थी

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 रु प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया। सरकार के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घाटे में चल रही थीं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा के अनुसार कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर हर महीने करीब 30 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है

भोपाल के दाम

	पेट्रोल	डीजल
पहले	106.68 रु.	91.87 रु.
अब	109.71 रु.	94.88 रु.

चौतरफा घिरी सरकार, अगले साल से ऑनलाइन होगी नीट

इस साल की रद्द परीक्षा अब 21 जून को होगी

नईदिल्ली, एजेंसी

13 मई को प्रकाशित

बार-बार पेपर लीक और माफिया से सिस्टम के गठजोड़ के आरोपों का सामना कर रही सरकार ने आखिर बड़ा फैसला लेते हुए अगले साल से नीट यूजी की परीक्षा ऑनलाइन कराने का फैसला किया है। दोपहर मेट्रो ने 13 मई के अंक में यही सवाल उठाया था कि जब आईआईटी - जेईई का एंट्रेंस एग्जाम कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन हो सकता है तो नीट क्यों नहीं। इसी के साथ राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) नीट यूजी-2026 की रद्द हुई परीक्षा दुबारा कराने की नई तारीख की घोषणा कर दी है। यह 21 जून को होगी।

तारीख की घोषणा के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा, हम छात्रों के भविष्य के प्रति संवेदनशील हैं। माफियाओं को सफल नहीं होने देंगे। गड़बड़ी की कोशिश करने वालों को सजा दी जाएगी। दोबारा परीक्षा देने में छात्रों पर कोई आर्थिक बोझ न आए इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह परीक्षा माफियाओं और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लंबी लड़ाई है। तकनीक के समय में एक चुनौती बन रही है। विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया हैंडल से भ्रमात्मक तथ्यों को रखा जाता है, गुमराह करने की कोशिश की जाती है। दोबारा होने वाली 2026 की परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 से 5.15 बजे तक होगी।

न्यूज विंडो

पीएम मोदी पांच देशों के दौरे पर रवाना, आज पहुंचेंगे यूएई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के दौरे पर रवाना हो गए हैं। इस विदेश दौरे में पीएम मोदी संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री के इन दौरों का उद्देश्य व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, नवाचार और हरित विकास के क्षेत्र में भारत की रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करना है। दौरे की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचेंगे।

ट्रम्प बोले- चीन होर्मुज खोलने में मदद करने को तैयार

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है।

आज का कार्टून

ब्रिक्स सम्मेलन में नहीं आए चीनी विदेश मंत्री, राजदूत ले रहे हिस्सा

नई दिल्ली/बीजिंग, एजेंसी

भारत में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में चीनी विदेश मंत्री वांग यी शामिल नहीं हुए हैं। उनकी जगह चीन का प्रतिनिधित्व भारत में चीन के राजदूत शू फेईहोंग ने किया है। हालांकि, चीन ने ब्रिक्स की बैठक को महत्वपूर्ण बताया है। चीन ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि चीन, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का पूरा समर्थन करता है और बैठक की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि समय की कमी के कारणों से, भारत में चीन के राजदूत शू फेईहोंग ने विदेश मंत्री वांग यी की ओर से बैठक में प्रतिनिधित्व किया। गुओ ने कहा कि ब्रिक्स उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।

उज्जैन के रामघाट पर निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन प्रवास के दौरान राम घाट पर जारी कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा जय गुरुदेव आश्रम में गुरुदेव उमाकांत महाराज का आशीर्वाद भी लिया।

भोजशाला मंदिर या मस्जिद, फैसला आज, धार सहित कई शहरों में अलर्ट

धार, एजेंसी

धार की विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद मामले में आज मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच फैसला सुना सकती है। वर्षों पुराने इस संवेदनशील विवाद में पांच याचिकाओं और तीन इंटरवेंशन पर सुनवाई पूरी होने के बाद डबल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसले के मद्देनजर इंदौर और धार जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। शुक्रवार होने से संवेदनशीलता और बढ़ गई है, क्योंकि इसी दिन मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में जुमे की नमाज अदा करता है। प्रशासन ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने और अपुष्ट जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है। भड़काऊ पोस्ट या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। भोजशाला परिसर के अंदर धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद दोनों अधिकारी बाहर निकल गए। धार पुलिस कंट्रोल रूम में जिलेभर से करीब 1200 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। एसपी सचिन शर्मा ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पुलिस बल को निर्देश दिए।

स्मृति शेष

एक दोस्त से हेल्थ एडिटर तक... और फिर नम आँखों वाली विदाई...

राजेश सिरोठिया

डॉ. भुवनेश्वर गर्ग .. .. उन्हें भूलें तो भला कैसे..। समझ से परे ... यकीन से कोसों दूर ... । उनसे जान पहचान तो 21 साल पुरानी थी, लेकिन लगता था कि नाता और भी कई दशकों पुराना है। बातचीत का सिलसिला और मुलाकात का सफरनामा तब आगे बढ़ा, जब भाजपा मे बगावत करके राम रोटी यात्रा पर निकलीं उमा भारती की लंबी पदयात्रा के दौरान भुवनेश उनके जख्मी पैरों की मरहम पट्टी करते थे। तब मैं आऊटलुक पत्रिका का ब्यूरो प्रमुख हुआ करता था। जब भी उमा भारती की यात्रा के कवरेज के लिए जाता था तो डॉ गर्ग से मुलाकात अक्सर हो जाती थी। उमा भारती से लेकर प्रहलाद पटेल और जनशक्ति पार्टी से जुड़े डा. गौरीशंकर शेजवार सहित कई खास और आम कार्यकर्ता डॉ गर्ग से काफी नजदीकी से जुड़ गए थे।

इसी यात्रा के दौरान जाना कि डॉ , गर्ग कहने को तो मास्टर ऑफ सर्जरी हैं और डीसीएच होने के नाते गेस्ट्रो सर्जन के बतौर उनकी ख्याति है। लेकिन उससे हटकर भी वह नेचुरोपैथी के जरिए जले हुए जख्मों का इलाज इस तरह करते रहे कि ठीक होने के बाद मरीज की त्वचा पर जलने के निशान तक नहीं रहते थे। कुछ अलग करने की कोशिश मेरी भी रहती है इसलिए कोई दूसरा करे तो वह मुझे अनायास अपने करीब खींच लेता है।

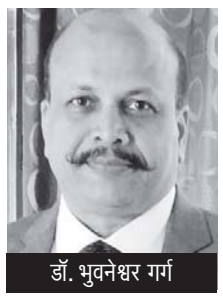

डॉ. भुवनेश्वर गर्ग

इसलिए, उनसे शुरूआती संपर्क जल्द ही संबंधों की शक्ल लेने लगा। मुझे उनकी एक बात बेहद पसंद थी कि वह अपने मरीजों को कम से कम दवाएं देने के पक्षधर थे। मेरे पिता भी कुछ इसी तरह के ख्याल के चिकित्सक थे।

पत्रकारिता तथा जनसंचार की पोस्ट ग्रेजुएट उपाधि के पहले मैं बायो साइंस का छात्र भी था। विज्ञान के विद्यार्थी में जिज्ञासा के भाव कुछ अधिक होते हैं। डॉ. गर्ग को जले कटे लोगों के अलावा मधुमेह पीड़ितों के पैरों में होने वाली गैंगरीन जैसी बीमारियों का इलाज खुद की ईजाद की गई दवा के साथ करते देखना अच्छा लगा। स्टेरायड से बचने की सलाह तो आमतौर पर सारे ही प्रोफेशनल डॉक्टर देते हैं लेकिन एंटी बायोटिक को तर्कों के साथ नकारने की उनकी सलाहों ने मुझे उनके और करीब ला दिया। वह अपनी दवा का पेटेंट कराने को लेकर काफी बेताब और सरकारी प्रक्रियाओं से नाखुश दिखते थे। मैंने उनकी समाज के प्रति व्यथा समझा था। जले कटे से लेकर पैर कटवाने की नौबत तक पहुंचे मधुमेह पीड़ित मरीजों के ठीक होने के किस्से देखे और सुने। इसे आऊटलुक पत्रिका में स्थान भी दिया था। कोशिश की कि समाज में यदि लोगों को सस्ता इलाज मिल जाए, तो इससे बेहतर क्या हो सकता है। लेकिन, उनको दिल्ली में जिनसे भी मिलवाया, एक ही सवाल पूछा जाता था कि आप तो एलोपैथी के सर्जन हो फिर आयुर्वेदिक या नैचुरोपैथी की दवाओं के प्रति आग्रह का क्या सबब है? पेटेंट कराने पहुंचे तो उनसे दवा का फार्मूला पूछा गया। उन्होंने बताने से साफ मना कर दिया। उनकी चिंता जायज थी कि दवा बाजार में आने के पहले ही उनका फार्मूला भ्रष्ट तंत्र दूसरी बड़ी दवा कंपनियों को बेच देगा तो क्या होगा? उनका यह संघर्ष चलता रहा। वह लगातार फार्मा लॉबी और प्रोफ़ेशनलिज़्म के दायरों को लांघने वाले अस्पतालों के खिलाफ बोलते रहे।

कोरोना के भयावह दौर में योगदान

दोपहर मेट्रो में हेल्थ एडिटर के बतौर डॉ गर्ग ने दवा और अस्पताल माफिया सहित मीडिया की संदिग्ध भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए। अखबार के अलावा इसके डिजिटल प्लेटफार्म यानी डीएम डिजिटल पर भी उनकी राय बेबाकी से रखी गई। खासतौर से कोरोना काल के उस भयावह दौर को मैं भूल नहीं सकता जब कई डाक्टरों और कुछ अस्पतालों ने महामारी की आपदा को अवसर में तब्दील कर जमकर भुनाया। लेकिन दोपहर मेट्रो जैसा अदना सा अखबार उनके साथ पूरी दम से खड़ा रहा। लोगों को हम बताते रहे कि कोरोना से मौतें दवा और दहशत से हो रही हैं। पूछा कि जब बीमारी की कोई दवा ही नहीं है तो कई नामी गिरामी डॉक्टरों से लेकर बड़े मीडिया घराने रेएमडीसीवीर जैसी उस उस दवा की हिमायत क्यों कर रहे हैं जो कोरोना के कई साल पहले आए जीका और ईबोला वायरस में फेल हो चुकी थी ? बीते नौ मई दोपहर मेट्रो के दस साल के सफरनामे के कार्यक्रम के दौरान मैंनें उनको शिद्दत से याद किया तो डॉ सुनील पांडे ने इस मौके पर निकले विशेषांक में अपने लेख में उनका जिक्र किया। इसमें उन्होंने बताया कि दोपहर मेट्रो की कोरोना से बचाव की मुहिम में डाक्टर गर्ग के साथ डॉ स्कंद त्रिवेदी और डा. राजेश शर्मा जैसे गिने-चुने चिकित्सक ही थे जो गलत दवा और अस्पताल में भर्ती होने के दौरान दहशत को मौतों की वजह बता रहे थे। अपनी दवा को पेटेंट कराने में नाकाम रहे भुवनेश हताशा के समंदर में गोते लगाते हुए कहते रहे कि एक दिन आएगा जब हमारी दवा भारत नहीं तो अमेरिका में पेटेंट होगी और दुनिया में जलने के जख्मों का इलाज करेगी और गेंगरीन से पैर कटने से होने वाली लाचारगी से दुनिया को मुक्त कर देगी।

फोन पर हुई वो आखिरी बात... - शेष देखें पेज 8

एमपी नगर में ट्रांसफार्मरों के पास खड़े वाहन बने खतरा

भोपाल के व्यस्ततम व्यावसायिक क्षेत्र एमपी नगर जोन-1 और जोन-2 में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। यहां जगह-जगह ट्रांसफार्मर और डीपीओ के आसपास दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े किए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस गंभीर समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। भीषण गर्मी के इस मौसम में ट्रांसफार्मरों पर लगातार लोड बढ़ रहा है, जिससे शॉर्ट सर्किट और आग लगने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि एमपी नगर जैसे व्यस्त इलाके में दिनभर भारी भीड़ रहती है। ट्रांसफार्मरों के बिल्कुल पास वाहन खड़े होने से न केवल बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि किसी भी समय बड़ा हादसा भी हो सकता है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद बिजली विभाग और प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। क्षेत्र में कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों के आसपास सुरक्षा घेरा तक नहीं लगाया गया है। खुले तारों और गर्म ट्रांसफार्मरों के बीच खड़े वाहन हादसे को न्योता दे रहे हैं। यदि किसी वाहन में आग लगती है या ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट होता है, तो आसपास की दुकानों और लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है।

25 लाख आबादी वाले शहर की सड़कों पर चल रहीं सिर्फ 70 बसें

जेब पर भारी पड़ रहा सफर, रोजाना स्वाहा हो रहा 67 लाख का ईंधन

230 लो-फ्लोर बसों के पहिया पिछले दो साल से थमे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने के लिए सार्वजनिक परिवहन अपनाने का आह्वान कर रहे हैं। कोशिश है कि इससे देश की ऊर्जा निर्भरता कम होगी। लेकिन राजधानी में अधिकारियों की बेपरवाही से सार्वजनिक परिवहन की दुर्दशा हो चुकी है। पड़ताल करने पर सामने आया है कि सार्वजनिक परिवहन की स्थिति दुरुस्त होती तो रोजाना 67 लाख रुपये का ईधन बचता।

भोपाल शहर की अनुमानित जनसंख्या 27 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। ऐसे शहर में सार्वजनिक परिवहन सुविधा के नाम पर कभी 300 लो फ्लोर बसों का संचालन शुरू हुआ था। उनसे 24 चिन्हित मार्गों पर रोजाना डेढ़ लाख यात्री सफर करते थे। आज कुछ ही मार्गों पर 70 से भी कम बसों का संचालन हो रहा है। इनमें रोजाना 16-20 हजार यात्री सफर कर पाते हैं। यानी करीब एक लाख 34 हजार यात्री बेबस हो गए। इन यात्रियों को अब या तो निजी साधनों का उपयोग करना पड़ रहा है या वे फिर आटो रिक्शा या बाइक टैक्सी के भरोसे हैं।

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग विभाग के डा. राहुल तिवारी का कहना है कि एक लो-फ्लोर बस 50 यात्रियों को लेकर एक लीटर डीजल में चार किमी चलती है। अगर बस एक फेरे में 20 किमी का सफर तय करती है, तो कुल पांच लीटर डीजल खर्च होता है। यानी प्रत्येक व्यक्ति पर ईंधन खर्च डेढ़ रुपये

भी कम आया। अगर यही 50 यात्री निजी वाहनों से 20 किमी का सफर करें तो प्रत्येक का कम से कम आधा लीटर ईंधन खर्च करना होगा। इस हिसाब से 50 लोग 25 लीटर ईंधन खर्च करेंगे। अब अगर 1.34 लाख लोग निजी साधनों से जाएं तो ईंधन खर्च 67 हजार लीटर पहुंच जाएगा। अगर 100 रुपये लीटर का औसत मूल्य माने तो रोजाना 67 लाख रुपये का खर्च आएगा।

> हमें शहरों का परिवहन नियोजन करते समय वाहनों के बजाय नागरिकों को ध्यान में रखकर करना चाहिए, ताकि लोक परिवहन को वरीयता मिल सके। ये राष्ट्रीय शहरी परिवहन नियोजन नीति भी कहती है।
> - डॉ. राहुल तिवारी, प्राध्यापक, मैनिट

> शहर में ई-बसें जून तक आ सकती है। सिटी बसें की संख्या बढ़ाने को लेकर कार्रवाई प्रचलन में हैं।
> - अंजू अरुण, सीईओ, बीसीएलएल

मेट्रो सिर्फ मनोरंजन का जरिया!

भोपाल मेट्रो का संचालन दिसंबर 2025 में शुरू हुआ। पूरा रूट तैयार न होने के कारण यह फिलहाल आम आदमी के काम की नहीं है। अभी मेट्रो केवल मनोरंजन का साधन बनकर रह गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसके पूरे रूट के तैयार होने में अभी कम से कम दो साल का और समय लगेगा।

ई-बस सेवा अभी दूर की कौड़ी

सार्वजनिक परिवहन को सुधारने के दावे के साथ पीएम ई-बस सेवा के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का निर्णय लिया गया था । शहर अभी तक इन बसों को खड़ा करने के लिए डिपो तक तैयार नहीं कर पाया।

श्रमदान कर चेक डैम और पुराने जलस्रोतों को किया पुनर्जीवित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भीषण गर्मी और सूखी पहाड़ियों के बीच भोपाल के पास झिगरी में बेतवा नदी के उद्गम क्षेत्र में चल रहा श्रमदान अभियान अब उम्मीद की बड़ी कहानी बनता जा रहा है। यह अभियान 16 मई तक अभियान जारी रहेगा। इसके दौरान उद्गम क्षेत्र में रोज सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्रमदान किया जा रहा है। श्रमदान सप्ताह के पांचवें दिन गुरुवार को श्रमदानियों ने 22 नए चेक डैम का रिकॉर्ड बना दिया। खास बात यह रही कि पिछले दिनों की तुलना में गुरुवार को श्रमदान करने वालों की संख्या कम थी, लेकिन उनके उत्साह और मेहनत ने नया रिकॉर्ड बना दिया।

अभियान से जुड़े डॉ. आरके पालीवाल ने बताया कि इस साल 30 नए चेक डैम बनाए गए हैं और अब तक पिछले साल बने करीब 55 चेक डैम की मरम्मत की जा चुकी है। इसके साथ ही कई वर्षों से पूरी तरह सूख चुका 'पार्वती कुंड' भी फिर से जीवित हो गया है। श्रमदानियों का कहना है कि यह सिर्फ जल संरक्षण का काम नहीं, बल्कि पूरे उद्गम क्षेत्र को फिर जीवित करने की कोशिश है। यहां पर पर्यावरण प्रेमी, वैज्ञानिक, पूर्व अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मिलकर चेक डैम बना रहे हैं और पुराने जलस्रोतों को पुनर्जीवित कर रहे हैं। आज शुक्रवार को बनारस, जौनपुर व विदिशा से भी नए लोग श्रमदान में शामिल होने पहुंचे।

संवेदनशील इलाकों में 3000 पुलिसकर्मी तैनात

मुस्लिम युवक से मारपीट के विरोध प्रदर्शन को लेकर अलर्ट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा क्षेत्र में मुस्लिम युवक से मारपीट और धार्मिक टिप्पणी के मामले को लेकर शुक्रवार को राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस द्वारा सभी आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद भी इंटरनेट मीडिया पर जुमे की नमाज के बाद विरोध प्रदर्शन के संदेश बहुप्रसारित हो रहे हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है और पुराने भोपाल के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के अनुसार पीरगेट, इमामी गेट, भारत टाकीज, मोती मस्जिद, तलैया, शाहजहांनाबाद और इकबाल मैदान क्षेत्र को संवेदनशील जोन घोषित किया गया है। इन इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। बाहर से लोग प्रदर्शन के लिए न आएं, इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट लगाए जाएंगे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब तीन हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त बल भी बुलाया गया है।

भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने मुख्यालय से तीन कंपनियों की मांग की है। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों के जरिए गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। क्विक रिस्पांस टीम, दंगा नियंत्रण बल और मोबाइल यूनिट्स को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

यह है मामला: पिछले सप्ताह गोविंदपुरा क्षेत्र में खुद को हिंदू संगठन का कार्यकर्ता बताने वाले लोगों ने एक होटल से हिंदू युवती के साथ मुस्लिम युवक को पकड़ा था। साथ ही उससे मारपीट करने के बाद धार्मिक टिप्पणी की थी। गोविंदपुरा पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर सात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इनका कहना है हमने जुमे की नमाज को लेकर सभी से अपील की है कि जो जहां है वहीं अपनी नमाज पड़ें किसी को भी भोपाल में जुमे की नमाज के बाद जमा होने का जरूरत नहीं नमाज पढ़ें और अपने घर जाएं। अपनी भावनाओं को काबु में रखे अल्लाह की शान में गुस्ताखी करने वाले गुनाहगारों को पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

किसी के बहकावें में ना आएं

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि लगातार सुन रहा हूं कि भोपाल चलो भोपाल चलो का मैसेज चलाया जा रहा है। मेरी सभी लोगों से अपील है कि हम प्रशासन के साथ संपर्क में है किसी तरह का कोई सम्मेलन या मजमा करने की कोई अनुमति नहीं है। आप निश्चिंत रहें, प्रशासन हमारे साथ पूरा सहयोग कर रहा है।

कल से सजेगा बाल फिल्मों का रंगमंच

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन में 16 से 18 मई तक तीन दिवसीय 'बाल फ़िल्म समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। छवि प्रभाग, भारत भवन द्वारा आयोजित इस विशेष समारोह में बच्चों और परिवारों के लिए उत्कृष्ट और संवेदनशील सिनेमा की मनोहारी प्रस्तुतियां होंगी। प्रतिदिन शाम 6.30 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने बताया कि समारोह का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ संवेदनशील और कल्पनाशील सिनेमा से जोड़ना है। बालमन की जिज्ञासा, सपनों और भावनाओं को केंद्र में रखकर चयनित फिल्मों की श्रृंखला दर्शकों को एक अलग सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। समारोह में कब कौन सी फिल्मों का होगा प्रदर्शन-समारोह के पहले दिन 16 मई को प्रसिद्ध निर्देशक साईं परांजपे की फिल्म जादू का शंख प्रदर्शित की जाएगी। 49 मिनट की यह फिल्म बाल कल्पनाओं और रोमांच की दुनिया को जीवंत करती है। इसके बाद निर्देशक जुल वेल्लानी की संवेदनशील प्रस्तुति डाक घर दिखाई जाएगी, जो गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की कालजयी रचना पर आधारित है। 17 मई को बच्चों के प्रिय पौराणिक चरित्र पर आधारित एनीमेशन फिल्म हनुमान का प्रदर्शन होगा, जिसका निर्देशन वी. जी. सामंत ने किया है।

पंचायत अध्यक्ष चांदवानी के रवैये से मनवानी नाराज

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत के राज मनवानी ने अध्यक्ष माधू चांदवानी के रवैये पर नाराजगी जाहिर की है। मनवानी ने एक बयान में कहा कि चांदवानी से पंचायत सदस्यों के परिचय पत्र, जिसमें फोटो, पता, दूरभाष नं., सदस्य क्रमांक एवं आधार कार्ड का उल्लेख हो जिससे सदस्य की पहचान हो न सिर्फ शहर में बल्कि विश्व में पहचान का कार्य करेगी। इससे सदस्यों की स्थिति भी स्पष्ट होगी। कई बार आग्रह किया गया परन्तु कोई परिणाम नहीं निकला। शमशाम घाट में/ पगड़ी रस्म बोरवन पार्क में एक पौधा दिवंगत सदस्य के नाम लगाने हेतु भी निवेदन किया गया था परन्तु कोई परिणाम नहीं निकला। मनवानी ने कहा कि ऐसा होता तो न सिर्फ सदस्यों बल्कि परिवार भी उसमें अपनी पहचान रखेगा।

नवनिध-मिठी स्कूल का 12वीं में शत-प्रतिशत परिणाम

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित नवनिध पब्लिक स्कूल और मिठी पब्लिक स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 12वीं सत्र 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन किया। दोनों संस्थानों परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

नवनिध स्कूल की 107 छात्राओं में से 6 ने 95 फीसदी से अधिक और 18 ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए। कॉमर्स स्ट्रीम की भाविका वाधवानी ने 97.4 फीसदी अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विशेष रूप से, भाविका

(एंटरप्रेन्योरशिप), स्नेहा खुशालानी (आईटी) और वंशिका आसवानी (योग) ने 100 में से 100 अंक अर्जित किए।

मिठी गोबिंदराम स्कूल का गौरवपूर्ण प्रदर्शन: मिठी गोबिंदराम स्कूल के 109 विद्यार्थियों में से 90 ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। भव्या कृपलानी और निखिल मंगलानी 95.8 फीसदी अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर रहे। आदित्य पेसवानी ने योग विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। संस्था के सिद्ध भाऊजी ने विद्यार्थियों को बधाई दी है। प्राचार्या अमृता मोटवानी, प्राचार्य डॉ. अजय कांत शर्मा और सचिव श्री घनश्याम बुलचंदानी ने इस सफलता का श्रेय गुरुजनों के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम को दिया है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. भुवनेश्वर गर्ग का निधन

भदभदा विश्राम घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के सीनियर सर्जन डॉक्टर भुवनेश्वर गर्ग गुरुवार को निधन हो गया। भोपाल के एक प्राइवेट अस्पताल में उन्होंने 62 साल की उम्र में आखिरी सांस ली।

डॉ. गर्ग हार्ट अटैक आने के बाद करीब दो हफ्ते से वेंटिलेटर पर थे। आज सुबह उनके निवास चूनाभट्टी से अंतिम यात्रा शुरू हुई और भदभदा विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र अभिनव ने उन्हें मुखाग्नि दी। डॉ. गर्ग करीब तीन हफ्ते पहले अमेरिका से भोपाल लौटे थे। वहां उन्हें एक इंटरनेशनल कार्यस्त्र5म

में सम्मानित किया गया था। साथ ही उन्होंने डायबिटीज पर अपना शोध पत्र भी प्रस्तुत किया था। भारत लौटने के बाद एक निजी कार्यक्रम में वे अपने अनुभव साझा कर रहे थे, तभी अचानक उन्हें कार्डिएक अरेस्ट हुआ। मौके पर मौजूद डॉ. साथियों ने उन्हें तुरंत संभाला और सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें तुरंत भोपाल के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हॉस्पिटल में उनकी हालत में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहा। गुरुवार की दोपहर उनकी स्थिति अचानक गंभीर हो गई और डॉक्टर उन्हें बचाने में असफल रहे।

डॉ गर्ग के निवास और भदभदा विश्राम घाट पर अंतिम विदाई देने वालों में प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के ओएसडी अजातशत्रु श्रीवास्तव और पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के अध्यक्ष अजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में शहर के चिकित्सक, व्यवसायी, राजनेता, समाजसेवी, पत्रकार और उनके मित्रगण उपस्थित थे। उनका अस्थि संचय रविवार 17 मई की सुबह किया जाएगा। इसी दिन शाम 4 से 5 बजे तक कोलार रोड स्थित होटल प्राइड में शांति सभा का आयोजन होगा।

मेट्रो एंकर

एमएसएमई मंत्री और लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष ने की समीक्षा

लघु उद्योग निगम को व्यापक स्वरूप देकर मुनाफा बढ़ाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघु उद्योग निगम के क्रियाकलापों को मौजूदा बाजार और आनलाइन प्लेटफार्म के जरिए व्यापक स्वरूप देकर व्यवसाय बढ़ाना चाहिए। यह बात एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप और निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह गुरुवार को पंचानन भवन स्थित सभागार में निगम के कार्यों और योजनाओं की समीक्षा के दौरान कही । बैठक में प्रबंध संचालक और एमएसएमई विभाग के सचिव दिलीप कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे

श्री काश्यप ने संतोष व्यक्त किया कि विगत दस वर्षों से निगम घाटे में नहीं रहा है और हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को 8 करोड़ का लाभांश भी सौंपा है।उन्होंने प्रबंधकों सहित अन्य

रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही भी समय सीमा में करने के निर्देश दिए हैं।बैठक में बताया गया कि निगम ने अपने 8 एम्पोरियम, कोयला व्यवसाय,कच्चा माल, संपदा एवं निर्माण और टेस्टिंग लैब जैसी सभी गतिविधियों में लाभ अर्जित किया है।बैठक में निगम के कुल व्यवसाय और कार्य परिणाम पर भी विमर्श किया गया। कोल आबंटन 1 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 6 लाख मीट्रिक टन

प्रबंध संचालक ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा कोल आबंटन 1 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 6 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि लक्ष्य की पूर्ति के लिए नवीन उद्योगों तक एप्रोच बढ़ाने के लिए कलेक्टर्स से कहा जाए और जिले के अधिकारियों को भी सक्रिय किया जाए।बैठक में बताया गया कि निगम की जबलपुर और इंदौर की टेस्ट लैब का आधुनिक उन्नयन करने के कार्य प्रारंभ किए गये हैं। निगम के अध्यक्ष श्री सिंह ने 8 एम्पोरियम की संख्या में और बढ़ोतरी करने पर ध्यान केंद्रित करने का कहा है।

उज्जैन के जय गुरुदेव आश्रम में मुख्यमंत्री ने किया प्रसाद वितरण

उज्जैन। डॉ. मोहन यादव ने जय गुरुदेव आश्रम में श्री गुरुवर के अमृत वचनों का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण कर सेवा और सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे और आध्यात्मिक वातावरण में भक्ति एवं श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

निगम-मंडलों के नए अध्यक्षों की ट्रेनिंग 18 मई को

सीएम खुद एक सत्र में देंगे प्रशिक्षण, विभागों के अफसर बताएंगे काम और अधिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में सरकार ने पांच दर्जन से ज्यादा नेताओं को निगम, मंडल, बोर्ड, प्राधिकरण और आयोगों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बनाकर मंत्री का दर्जा दिया है। इन नेताओं की नियुक्ति के बाद अब सरकार इनकी ट्रेनिंग कराएगी। यह ट्रेनिंग 18 मई (सोमवार) को सुबह 9 बजे अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल में होगी। मुख्यमंत्री खुद इस ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन करेंगे। यह प्रशिक्षण दोपहर 2 बजे तक चलेगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, संबंधित 18 विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी भी पूरे कार्यक्रम में शामिल होंगे। ये अधिकारी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके निगम-मंडलों के कामकाज, वित्तीय प्रबंधन, शासन प्रक्रियाओं, नीतियों तथा दायित्वों की विस्तृत जानकारी देंगे। खासतौर पर उन्हें दर्जा प्राप्त मंत्रियों के समकक्ष मिलने वाले अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सुबह 9 से 10 बजे तक पंजीयन और स्वल्पाहार का आयोजन होगा। उसके बाद 10 बजे से 11 बजे तक मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र होगा। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग और वित्त विभाग प्रस्तुतीकरण देंगे।

अफसर देंगे प्रजेंटेशन

सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विभाग से संबंधित नवनियुक्त अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों को इस प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से शामिल होने के लिए सूचित करें तथा स्वयं भी विभाग से संबंधित प्रस्तुतीकरण के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 63 नवनियुक्त पदाधिकारी भाग लेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नवनियुक्त गैर-सरकारी पदाधिकारियों को शासन की कार्यप्रणाली, कानूनी प्रावधानों, वित्तीय अनुशासन और अपने पद की जिम्मेदारियों से पूर्णतः अवगत कराने का उद्देश्य रखता है, ताकि वे शीघ्र ही अपने पदों पर प्रभावी ढंग से काम शुरू कर सकें। म

अटल बिहारी बाजपेयी संस्थान भी अपना प्रस्तुतीकरण करेगा। दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक विभागवार अलग-अलग सत्रों में नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके संबंधित विभाग के विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। अंत में भोजन और समापन होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान: मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल आत्मनिर्भरता की ओर मप्र

6 हजार 201 करोड़ की लागत से जल संरक्षण के 1.77 लाख काम पूरे, अभियान में 2.42 लाख कार्यों का रखा गया लक्ष्य

डग वेल रिचार्ज और खेत तालाबों के निर्माण में मिल रही सफलता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश जल आत्मनिर्भरता का एक नया इतिहास लिख रहा है। प्रदेश की जल संरचनाओं के पुनरुद्धार और नवीन जल स्रोतों के निर्माण के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अब अपने निर्णायक दौर में है। अभियान में न केवल लुप्त हो रही जल संरचनाओं को जीवनदान मिल रहा है, बल्कि वैज्ञानिक पद्धतियों से वर्षा जल के संग्रहण की क्षमता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 77 हजार 121 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जो राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन के लिए एक सुखद संकेत है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) के समन्वय से संचालित इस विशाल अभियान के लिए राज्य सरकार ने व्यापक वित्तीय प्रावधान किए हैं। पूरे प्रदेश में कुल 2 लाख 42 हजार 188 कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए 6,201.81 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में अब तक 4,443.85 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। अभियान का मुख्य उद्देश्य खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रोकने की अवधारणा पर है, ताकि आगामी मानसून में वर्षा की हर बूंद का संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

सूक्ष्म स्तर पर हो रही मॉनिटरिंग

अभियान के अंतर्गत कार्यों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर सूक्ष्म स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। विशेष रूप से डग वेल रिचार्ज (सूखे कुओं का पुनर्भरण) में प्रदेश ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जहाँ 88,123 से अधिक कुओं को रिचार्ज करने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई और पशुपालन की सुविधा के लिए 53,568 खेत तालाबों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। जल संरक्षण और पुनर्भरण की अन्य विधियों के तहत 27,332 कार्य संपन्न हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण को मजबूती देने के लिए वृक्षारोपण और स्कूलों में जल टैंकों की सफाई जैसे रचनात्मक कार्यों को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया गया है। JSJB 2.0 (जल संचयन जल भागीदारी) पहल के तहत भी 10 लाख से अधिक कार्यों का पंजीकरण राज्य की सक्रियता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की सफलता को जन-भागीदारी का परिणाम बताया है। जल संरक्षण समाज के अस्तित्व से जुड़ा विषय है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि इन स्थायी जल संरचनाओं के माध्यम से भू-जल स्तर को बढ़ाया जाए, ताकि भविष्य में पेयजल संकट का स्थायी समाधान हो सके और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से मध्य प्रदेश आज देश के अन्य राज्यों के लिए जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है।

खंडवा अग्रणी जिलों में शामिल

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिलों के प्रदर्शन की नवीनतम रैंकिंग (14 मई, 2026) के अनुसार, खंडवा जिला 7.51 के स्कोर के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। खंडवा में अब तक कुल 9,131 कार्य प्रारंभ किए गए हैं, जिनमें से 2,944 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और 5,400 कार्यों की भौतिक पूर्णता सुनिश्चित की गई है। रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खरगोन जिला (स्कोर 7.38) है, जिसने 81.17 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक बुक्ड एक्सपेंडिचर (वित्तीय प्रगति) दर्ज की है। इसके पश्चात बड़वानी 7.23 के स्कोर के साथ तीसरे, उज्जैन 7.08 के स्कोर के साथ चौथे और राजगढ़ 6.90 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर है।

मुख्य आंकड़े एक नजर में

कुल लक्षित कार्य : 2,42,188
पूर्ण हुए कार्य : 1,77,121
कुल स्वीकृत बजट : ?6,201.81 करोड़
खेत तालाब पूर्ण : 53,568

मप्र-राजस्थान सीमा पर गाड़ियों की जांच के लिए लगेंगे चेक पोस्ट

नीमच। मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर नयागांव में वाहनों की जांच के लिए परिवहन विभाग के चेक पोस्ट संचालित होंगे। इन पर वाहनों के दस्तावेजों की जांच की जाएगी। साथ ही यातायात नियमों के उल्लंघन और ओवरलोड की दशा में वाहनों पर चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

चेक पोस्ट संचालन दोबारा शुरू होने से वाहन चालकों में नाराजगी का माहौल है। विदित रहे कि चेक पोस्ट की शुरुआत के बाद नयागांव में विवाद की स्थिति भी बन चुकी है। भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आ चुके हैं।मप्र में एक जुलाई 2024 को परिवहन विभाग के सभी सीमावर्ती एकीकृत चेक पोस्ट बंद

कर दिए गए थे, लेकिन जिले में मप्र-राजस्थान सीमा पर नयागांव में दोबारा परिवहन विभाग ने वाहनों की जांच के लिए चेक पोस्ट को दोबारा शुरू कर दिया है। होमगार्ड के जवानों के अलावा निजी कर्मचारियों को मौके पर तैनात कर मप्र से राजस्थान की ओर तथा राजस्थान से मप्र की ओर जाने वाले लोडिंग व अन्य व्यावसायिक वाहनों को जांच के लिए रोका जा रहा है।

टेटवाल का सार्वजनिक बस में सफर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' के आह्वान और ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण तथा सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने के संदेश से प्रेरित होकर कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने सादगी का परिचय देते हुए सारंगपुर से पचोर तक सार्वजनिक परिवहन बस सेवा से यात्रा कर अपने कार्य क्षेत्र पर पहुंचे। श्री टेटवाल ने कारकेड और औपचारिक प्रोटोकॉल से अलग आम नागरिकों के बीच बस में यात्रा कर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रहित का संदेश दिया।

व्यवस्थाओं को लेकर बढ़ता जा रहा दबाव और चुनौतियां

सिंहस्थ 2028 की तैयारियां तेज

उज्जैन में भीड़ प्रबंधन और घाट विस्तार को लेकर बढ़ी हलचल, एक्शन में आया प्रशासन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ 2028 को लेकर मध्यप्रदेश सरकार और प्रशासन ने तैयारियों को तेज कर दिया है, लेकिन जैसे-जैसे काम आगे बढ़ रहा है, उसी के साथ व्यवस्थाओं को लेकर दबाव और चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर लगातार समीक्षा और निरीक्षण किए जा रहे हैं, वहीं शिप्रा नदी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्यों की रफ्तार ने प्रशासनिक मशीनरी की परीक्षा भी शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार शिप्रा नदी के करीब 29 किलोमीटर क्षेत्र में नए घाटों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। लेकिन इतने बड़े स्तर पर एक साथ चल रहे निर्माण कार्यों के बीच भीड़ नियंत्रण और

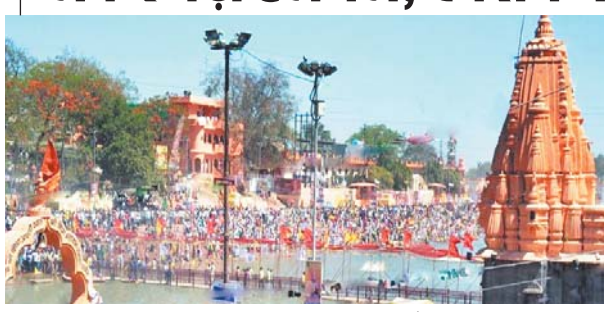

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता भी सामने आने लगी है। प्रशासन का मानना है कि महापर्व के दौरान अत्यधिक भीड़ के दबाव को संभालना सबसे बड़ी चुनौती होगा।

निरीक्षण के दौरान 18 स्थानों को एप्रोच रोड के लिए चिन्हित किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को घाटों तक आसानी से पहुंचाया जा सके। इसके अलावा 140 अलग-अलग स्थानों को भी विकास और कनेक्टिविटी के लिए चिह्नित किया गया है। हालांकि, स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियां, नदी किनारे की संरचना और सीमित स्थानों के कारण इन योजनाओं को समय पर पूरा करना आसान नहीं माना जा रहा है। संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने शिप्रा किनारे करीब 36 किलोमीटर क्षेत्र का पैदल निरीक्षण किया।

यातायात और पार्किंग व्यवस्था बनी बड़ी चिंता

श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए पार्किंग, ट्रैफिक डायवर्जन और एप्रोच मार्गों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नए पार्किंग क्षेत्रों को विकसित करने की योजना है, लेकिन उनके संचालन और भीड़ के दबाव को संभालना प्रशासन के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप बस से निरीक्षण कर पेट्रोल-डीजल बचत का संदेश दिया, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इतने बड़े आयोजन के लिए संसाधनों और समय दोनों पर भारी दबाव है। प्रशासन का कहना है कि भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी।

प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 प्रभावी

लापरवाही और नियमों के उल्लंघन पर होगी दंडात्मक कार्रवाई - भोंडवे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने सभी नगरीय निकायों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अब शहर से कचरा केवल हटाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि वेस्ट टू वेल्थ की परिकल्पना को साकार करते हुए रिसायकल के लिए इसका जिम्मेदारी से प्रबंधन करना आवश्यक है। इन नवीन नियमों के तहत अब प्रत्येक घर में कचरे का अलग-अलग संग्रहण अनिवार्य किया है, अब नागरिकों को गीला, सूखा और घरेलू हानिकारक कचरा पृथक डस्टबिन में देना होगा। इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से गीले कचरे से जैविक खाद का निर्माण किया जाएगा तथा सूखे

कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्चक्रण होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छता अब सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक अनिवार्य जिम्मेदारी है। खुले में कचरा फेंकने, प्लास्टिक जलाने या सार्वजनिक स्थानों को गंदा करने जैसी गतिविधियों पर अब कड़ी कार्रवाई होगी तथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में दंडात्मक प्रक्रिया के साथ जुर्माना भी वसूला जाएगा। इसके अतिरिक्त, थोक कचरा उत्पादकों को भी अपने परिसर में ही कचरे का ऑन-साइट प्रसंस्करण करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

मेट्रो एंकर आने वाली पीढ़ियों के लिए यह हमारे गौरवशाली इतिहास की कड़ी हैं

उज्जैन में संरक्षित पांडुलिपियों का हो रहा डिजिटलाइजेशन

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

नगरी उज्जैन, जो युगों-युगों से ज्ञान और विज्ञान का केंद्र रही है, अब अपनी प्राचीन विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ सहेजने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू हुए 'ज्ञान भारतम' प्रकल्प के अंतर्गत उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय और सिंधिया प्राच्य विद्या शोध संस्थान में संरक्षित हजारों वर्ष पुरानी 18 हजार से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है। यानी भोजपत्र और ताड़पत्र पर लिखित दुर्लभ ग्रंथों की हाई-डेफिनिशन स्कैनिंग कर इंटरनेट पर अपलोड की जा रही है।

मालूम हो कि पांडुलिपि (मनुस्क्रीप्ट) वह दस्तावेज है, जो

कलेक्टर की अपील- 'ज्ञान भारतम' ऐप पर करें अपलोड

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश पांडुलिपियों के पंजीकरण में देश में दूसरे स्थान पर है, जहां अब तक 10 लाख से अधिक पांडुलिपियां दर्ज की जा चुकी हैं। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी परिवार या निजी संग्रह में कोई प्राचीन पांडुलिपि सुरक्षित है, तो उसे 'ज्ञान भारतम' ऐप पर अपलोड करें। उसे दान करना स्वैच्छिक है, लेकिन उसकी जानकारी साझा करना शोध और राष्ट्रहित में एक बड़ा योगदान होगा।

छापाखाने के आविष्कार से पहले ऋषियों, विद्वानों और वैज्ञानिकों द्वारा अपने हाथों से भोजपत्र, ताड़पत्र या हस्तनिर्मित कागजों पर लिखा गया था। इनमें भारत का प्राचीन खगोल विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, योग, साहित्य, दर्शन, धार्मिक ग्रंथ और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं का अमूल्य ज्ञान संचित है। ये हमारी सभ्यता और विज्ञान के मौलिक आधार हैं। इनका संरक्षण इसलिए अनिवार्य है क्योंकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारे गौरवशाली इतिहास की कड़ी हैं।

इन प्राचीन ग्रंथों में कई ऐसी वैज्ञानिक विधियां छिपी हैं, जो आधुनिक समस्याओं का समाधान दे सकती हैं। समय के साथ भोजपत्र और पुराने कागज खराब होने लगते हैं, डिजिटलीकरण इन्हें अनंत काल तक सुरक्षित कर देगा। उज्जैन में पांडुलिपियों का विशाल भंडार सिंधिया प्राच्य विद्या शोध संस्थान में स्थित है, जहां लगभग 20,000 दुर्लभ पांडुलिपियां दशकों से सहेजी जा रही हैं। स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा ने बताया कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा ज्ञान भारतम प्रकल्प के तहत सिंधिया संस्थान को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में विकसित किया गया है। वर्तमान में 18 से 20 हजार पांडुलिपियों के डिजिटल रूपांतरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

क्या यह कठिन समय की आहट है?

पिछले कुछ सप्ताहों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई अपीलों, जैसे ईंधन की बचत, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग, विदेश यात्राओं में संयम, सोने की खरीद टालने और अनावश्यक खर्चों से बचने को सामान्य सरकारी सलाह मानकर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। राजनीति में शब्द अक्सर संकेत होते हैं और शासन व्यवस्था में सार्वजनिक अपीलें कई बार आने वाले निर्णयों की प्रस्तावना बनती हैं। यदि इन संकेतों को वैश्विक परिस्थितियों, ऊर्जा संकट, युद्धों, बढ़ती महंगाई और भारत की आंतरिक आर्थिक चुनौतियों के साथ जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट दिखाई देता है कि देश एक कठिन आर्थिक दौर की तैयारी कर रहा है। दुनिया इस समय असाधारण अस्थिरता से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, विशेषकर ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता, केवल क्षेत्रीय संकट नहीं है। विश्व के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो तेल की कीमतों में अचानक भारी वृद्धि होना स्वाभाविक है। भारत जैसे देश, जो अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करते हैं, सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखा है, लेकिन इसके पीछे सरकार द्वारा लगातार संतुलन साधने की कोशिश रही है। पेट्रोल और डीजल की वास्तविक अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया। तेल विपणन कंपनियों ने भी नुकसान सहा। लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यदि वैश्विक संकट लंबा खिंचता है तो सरकार के सामने ईंधन की कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई बड़ा विकल्प नहीं बचेगा। इसका सीधा प्रभाव परिवहन, कृषि, उद्योग और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। महंगाई केवल बाजार में वस्तुओं के महंगे होने का नाम नहीं है। यह धीरे-धीरे आम आदमी की क्रय शक्ति को कमजोर करती है। वेतन उतनी तेजी से नहीं बढ़ते जितनी तेजी से खर्च बढ़ते हैं। मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग और गरीब परिवार सबसे पहले दबाव महसूस करते हैं। रसोई गैस, बिजली, स्कूल फीस, दवाइयां, किराया और यात्रा-सब कुछ महंगा होने लगता है। ऐसे समय में सरकारों को कई बार अलोकप्रिय निर्णय लेने पड़ते हैं।

सोना बचत और वर्क फ्रॉम होम का संदेश आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, वर्क फ्रॉम होम(जैसा कि हमने कोविड काल के दौरान इसे अमल में लाया था) जैसे उपाय अपनाने तथा एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना नहीं खरीदने की अपील की है। वास्तव में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह अपील पश्चिम एशिया संकट, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के संदर्भ में की गई है। पिछले कुछ समय से हमारे देश के साथ ही साथ पूरे विश्व ने पश्चिम एशिया संकट का सामना किया। मसलन, युद्ध के कारण पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों में जहां एक ओर महंगाई का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर तेल-गैस संकट के बादल भी मंडराए। गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें हमें हर कहीं पर देखने को मिलीं,कई स्थानों पर तो तेल के लिए भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली।

हमें यह याद रखना चाहिए कि मनुष्य के जीवन में कभी भी अचानक बीमारी, आर्थिक संकट, बेरोजगारी या अन्य कठिन परिस्थितियाँ आ सकती हैं। ऐसे समय में बचत ही मनुष्य का सबसे बड़ा सहारा बनती है। यही कारण है कि कहा जाता है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। छोटी-छोटी बचतें भविष्य में बड़ी शक्ति बन जाती हैं।हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में बचत की परंपरा प्राचीन काल से रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारे यहां तो लोग सदैव सादा जीवन, उच्च विचार और विवेकपूर्ण खर्च को महत्व देते आए हैं। प्राचीन काल गांवों में लोग अनाज, घी, धन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह करके रखते थे, ताकि कठिन समय में परिवार सुरक्षित रह सके। गृहिणियाँ भी घर के खर्च से थोड़ा-थोड़ा बचाकर भविष्य के लिए संचित करती थीं। यही पारिवारिक बचत भारतीय समाज की आर्थिक मजबूती का आधार रही है।हमारे बुजुर्ग हमेशा यह शिक्षा देते थे कि आय से कम खर्च करना चाहिए और अनावश्यक दिखावे से बचना चाहिए। भारतीय परिवारों में बच्चों को भी छोटी उम्र से ही गुल्लक में पैसे जमा करने की आदत डाली जाती रही है। यह केवल आर्थिक शिक्षा नहीं, बल्कि संयम और दूरदर्शिता का संस्कार भी है। बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि बचत की प्रेरणा हमें चींटियों से लेनी चाहिए।

वास्तव में, चींटियां हमें बचत, परिश्रम और दूरदर्शिता की अद्भुत प्रेरणा देती हैं। छोटी-सी दिखाई देने वाली चींटी अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर मेहनत करती रहती है। वह अनुकूल समय में भोजन के छोटे-छोटे कण इकट्ठा करके अपने बिल में जमा करती है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उसे कठिनाई न हो। यही कारण भी है कि चींटी को बचत और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि थोड़ी-थोड़ी बचत भविष्य में बड़े संकटों से बचा सकती है। जिस प्रकार चींटी कभी आलस्य नहीं करती और लगातार अपने लक्ष्य में लगी रहती है, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में परिश्रम, संयम और बचत की आदत अपनानी चाहिए। चींटियां यह संदेश देती हैं कि भविष्य की चिंता केवल सोचने से नहीं, बल्कि आज से तैयारी करने से दूर होती है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि छोटी कोशिशें और छोटी बचतें ही आगे चलकर बड़ी ताकत बनती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि चींटियां केवल प्रकृति का जीव नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की एक महान शिक्षक भी हैं।आज उपभोक्तावाद और दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण बचत की आदत कमजोर होती जा रही है, जबकि वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। बचत व्यक्ति को आत्मविश्वास देती है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाती है। इसलिए हमें अपनी पुरानी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए बचत को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने की भी अपील की। साथ ही विदेश यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और गैर-जरूरी खर्चों को टालने का आग्रह किया।लोकल फॉर वोकल से देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश और अधिक आर्थिक तरक्की तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री की यह अपील आर्थिक अनुशासन, विदेशी मुद्रा संरक्षण और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। आज हम अनावश्यक खर्च करते हैं। हम संसाधनों का सही व विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें और जहां तक हो सके बचत को जीवन में अपनाएं। वास्तव में प्रधानमंत्री की यह कटौती की नहीं, बल्कि स्मार्ट लाइफ स्टाइल की सलाह है, और हम मिलकर ये सब आसानी से कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि समझदारी से खर्च बनेगा देश के लिए आर्थिक रूप से बहुत ही सहायक सिद्ध हो सकता है।

सरकार कंपनियों के लिए यह नियम बना सकती है कि वे जितनी रासायनिक खाद बनाएं, उसका 26 प्रतिशत बायोफर्टिलाइजर भी तैयार करें। जैविक खाद पर सब्सिडी मिलने से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इन उपायों से रासायनिक खाद के आयात पर होने वाला खर्च काफी कम हो सकता है। प्रधानमंत्री ने सोना नहीं खरीदने या जरूरत होने पर ही सोना खरीदने की सलाह दी है। दरअसल, आज भारत दुनिया में सबसे ज्यादा सोना खरीदने वाले देशों में शामिल है।पाठक जानते होंगे कि हमारा देश बड़ी मात्रा में सोना विदेशों से आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा का बहुत खर्च होता है। यदि लोग गैर जरूरी सोने की खरीद कम करें, तो देश का आयात बिल घटेगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इससे सरकार के पास पेट्रोल, गैस, तकनीक और जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए अधिक पैसा बचेगा।कम सोना खरीदने से लोग अपनी बचत बैंक, शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या उद्योगों में निवेश कर सकते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार को मजबूती मिलेगी। साथ ही, व्यापार घाटा कम होगा और रुपये की स्थिति भी मजबूत हो सकती है।इसके अलावा, पीएम ने खाने में तेल के कम इस्तेमाल की भी सलाह दी है। जब लोग अनावश्यक खर्च कम करते हैं, ईंधन और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हैं तथा घरेलू बचत बढ़ाते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था अधिक स्थिर और आत्मनिर्भर बनती है।सच तो यह है कि प्रधानमंत्री की बचत की सलाह कोविड काल की तरह सामूहिक जिम्मेदारी, आत्मसंयम और राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का संदेश देती है। यह केवल आर्थिक बचत नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

नीट पेपर लीक, हर शाख पर उल्लू बैठे हैं, अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

2026 नीट यूजी परीक्षा रद्द होने की खबर ने केवल लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को सकते में डाल दिया है,न सिर्फ एक अविश्वास और संदेह के माहौल को जन्म दिया है और देश की तमाम प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। यह मामला सिर्फ एक प्रश्नपत्र के लीक होने का नहीं है, बल्कि उन सपनों के टूटने का है, जिनके सहारे देश के लाखों युवा और उनके परिवार वर्षों तक तक संघर्ष संघर्ष करते करते हैं।। हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने की चाह में विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करते हैं, परिवार अपनी जमा-पूंजी खर्च करते हैं, माता-पिता अपनी इच्छाएं दबाकर बच्चों की तैयारी में सहयोग करते हैं। ऐसे में जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा प्रणाली का नहीं, बल्कि भरोसे का होता है। देश में प्रतियोगी परीक्षाएं लंबे समय से मेहनत, योग्यता और निष्पक्षता का प्रतीक मानी जाती रही हैं। खासकर नीट जैसी परीक्षा, जिसमें लाखों छात्र शामिल होते हैं, केवल प्रवेश परीक्षा नहीं होती, बल्कि भविष्य तय करने वाला एक महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। इसलिए जब ऐसी परीक्षा पर प्रश्नचिह्न लगता है, तो उसका असर केवल परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रहता। इसका असर घरों, कोचिंग संस्थानों, छोटे शहरों, गांवों और उन परिवारों तक पहुंचता है, जिन्होंने अपने बच्चों को डॉक्टर बनते देखने का सपना देखा होता है। नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने बड़े स्तर की परीक्षा व्यवस्था में सेंध कैसे लगी। परीक्षा की तैयारी से लेकर प्रश्नपत्र निर्माण, छपाई, परिवहन, भंडारण और वितरण तक कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था होती है। इसके बावजूद यदि पेपर बाहर पहुंच जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि कहीं न कहीं सिस्टम में गंभीर कमजोरी है। यह कमजोरी केवल तकनीकी नहीं हो सकती, बल्कि प्रशासनिक, मानवीय और नैतिक स्तर पर भी हो सकती है। पेपर लीक का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अब आकस्मिक अपराध नहीं रहा, बल्कि संगठित अवैध कारोबार का रूप लेता जा रहा है। इस पूरी व्यवस्था में ऊपर बैठे मास्टरमाइंड से लेकर स्थानीय एजेंटों तक एक लंबी श्रृंखला काम करती है। कोई प्रश्नपत्र तक पहुंच बनाता है, कोई उसे क्षेत्रीय स्तर पर बेचता है, कोई छात्रों और अभिभावकों से संपर्क करता है, तो कोई सॉल्वर या जवाब तैयार करने वालों की व्यवस्था करता है। यह पूरी प्रक्रिया बताती है कि शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी अपराधी मानसिकता ने एक समानांतर बाजार बना लिया है। इस तथाकथित लीक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार छात्रों की मजबूरी और परिवारों की चिंता है।

इससे पहले भी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट 2021:एग्जाम के दौरान एग्जाम शुरू होने से करीब आधे घंटे पहले सोशल मीडिया पर नीट 2021 का क्वेश्चन पेपर वायरल होता मिला. पुलिस ने इस मामले में एक 18 साल के कैंडिडेट, एग्जाम सेंटर के एडमिनिस्ट्रेशन यूनिट के इंचार्ज और चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया.5 मई, 2024 को हुई नीट एग्जाम के बाद पेपर लीक, ऑर्गनाइज्ड चीटिंग और गड़बड़ियों के आरोप सामने आने के बाद 2024 में यह विवाद शुरू हुआ.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 7 सालों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से ज्यादा एग्जाम पेपर लीक हुए हैं, जिससे 1.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं के करियर पर असर पड़ा है.

आपको बता दें मेडिकल सीटों की संख्या सीमित है, प्रतियोगिता बहुत कठिन है और सफल होने का दबाव बेहद अधिक है। इसी दबाव का लाभ उठाकर लाल और गिरोह छात्रों के भविष्य को बेचने का धंधा करते हैं। कुछ लोग लाखों रुपये देकर अनुचित लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में लाखों ईमानदार छात्रों के अधिकारों पर चोट पहुंचती है। जो छात्र रातों की नींद छोड़कर पढ़ते हैं, जो परिवार कर्ज लेकर कोचिंग की फीस भरते हैं, वे इस भ्रष्ट तंत्र के सबसे बड़े पीड़ित बन जाते हैं। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम 2024 जैसा सख्त कानून लागू किया है। इस कानून में पेपर लीक, ओएमआर शीट में छेड़छाड़, साइबर हैकिंग, संगठित अपराध और परीक्षा एजेंसियों की मिलीभगत जैसे मामलों पर कठोर सजा का प्रावधान कटार प्रावधान है। जेल, भारी जुर्माना, संपत्ति जब्ती और परीक्षा कराने वाली एजेंसियों पर रोक जैसे प्रावधान निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। लेकिन केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून का डर तभी पैदा होगा, जब जांच तेन, निष्पक्ष और परिणाम तक पहुंचने वाली हो। पेपर लीक मामलों में अक्सर देखा गया है कि शुरुआती कार्रवाई तो तेज होती है, कुछ गिरफ्तारियां भी होती हैं, लेकिन समय बीतने के साथ मामला धीमा पड़ जाता है। छोटे एजेंट पकड़ में आते हैं, लेकिन बड़े चेहरे बच निकलते हैं। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, भी ऐसा हुआ, तो छात्रों का भरोसा और कमजोर होगा। जरूरत इस बात की है कि जांच केवल पेपर बेचने वाले दलालों तक सीमित न रहे, बल्कि यह पता लगाया जाए कि प्रश्नपत्र तक पहली पहुंच किसे मिली, सुरक्षा घेरा कहां टूटा, किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई और किसने कितनी कमाई की। इस मामले में सीबीआई जांच का आदेश निश्चित रूप से गंभीरता का संकेत है, लेकिन जांच का वास्तविक मूल्य उसके परिणाम से तय होगा।

हर बार छात्र सड़कों पर होंगे, परिवार निराश होंगे और एजेंसियां सफाई देती रहेंगी। नीट यूजी 2026 का संकट एक एक चेतावनी है। यह यह चेतावनी सरकार, परीक्षा एजेंसियों, समाज और अभिभावकों सभी के लिए है। शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा टूटना किसी भी राष्ट्र के लिए गंभीर संकेत है। यदि युवाओं को लगे कि मेहनत से ज्यादा कीमत पैसे और जालसाजी की है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली की हार नहीं होगी, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की हार होगी। अब समय आ गया है कि पेपर लीक को सामान्य प्रशासनिक चूक मानना बंद किया जाए। यह युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है। दोषियों को कठोर सजा, परीक्षा प्रणाली में पूर्ण सुधार और छात्रों के हितों की सुरक्षा इन तीनों मोर्चों पर तत्काल काल और ईमानदार कार्रवाई ही इस संकट का सही उत्तर हो सकती है। देश के लाखों छात्रों को केवल नई परीक्षा तारीख नहीं चाहिए, उन्हें यह भरोसा चाहिए कि अगली बार उनकी मेहनत बिकेगी नहीं, बल्कि सम्मान पाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

अंकुरित अनाज खाना सेहत के लिए अच्छा, लेकिन गलत तरीके से सेवन होगा हानिकारक

अंकुरित अनाज यानी स्प्राउट्स वे दाने और दालें हैं जिन्हें पानी में भिगोकर अंकुरित किया जाता है। मूंग, चना, मेथी जैसे अंकुरित अनाज काफी लोकप्रिय हैं। अंकुरित होने के बाद इनमें विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा बढ़ जाती है। इसलिए इन्हें सुपरफूड भी कहा जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन फायदेमंद माना जाता है। लेकिन गलत तरीके से खाई गई अंकुरित चीजें बीमारी का कारण बन सकती हैं।

विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर अंकुरित अनाज के सेवन के कई फायदे हैं। अंकुरित दालों में प्रोटीन, आयरन, विटामिन सी और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इनके नियमित सेवन से शरीर को पोषण मिलता है। में कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे जल्दी भूख नहीं लगती और वजन कंट्रोल में रहता है। सामान्य दालों की तुलना में आसानी से पच जाते हैं। इनके सेवन से पाचन संबंधी समस्याओं में आराम मिलता है। अंकुरित अनाज में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। इनके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

अंकुरित अनाज कब हानिकारक : अंकुरित अनाज के सेवन के कई फायदे हैं, लेकिन इसका सेवन गलत तरीके से करना सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। गर्म और नम वातावरण में अनाज में अंकुर उगते हैं। यही वातावरण बैक्टीरिया बढ़ने के लिए भी अनुकूल होता है। इनमें ई. कोलाई, साल्मोनेला और लिस्टेरिया जैसे बैक्टीरिया पनप सकते हैं। यदि अंकुरित अनाज को सही तरीके से साफ न किया जाए या सुरक्षित नहीं रखा जाए, तो इन्हें खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। अनाज में गर्म और नम वातावरण में अंकुर उगते हैं, लेकिन इसी वातावरण में बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। ऐसे में सिर्फ पानी से धोने से अंकुरित अनाज में मौजूद सभी बैक्टीरिया पूरी तरह खत्म नहीं होते। स्प्राउट्स को हल्का पकाकर खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। संक्रमित अंकुरित अनाज खाने से दस्त, उल्टी, पेट दर्द और बुखार हो सकता है। कुछ लोगों को गैस, पेट फूलना और अपच की समस्या हो सकती है। प्रेग्नेंट महिलाओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए।

अंकुरित अनाज का पूरा लाभ तभी मिल सकता है जब इसे सही तरीके से उपयोग किया जाए। इसके लिए- अंकुरित अनाज को भाप में पकाने या हल्का उबालने से बैक्टीरिया का खतरा काफी कम हो जाता है। बनाने से पहले हाथ और बर्तन अच्छी तरह धोएं। ताजे स्प्राउट्स को हमेशा फ्रिज में रखें ताकि उनमें बैक्टीरिया न बढ़ें। खराब स्प्राउट्स न खाएं। यदि अंकुरित अनाज में बदबू आए या चिपचिपा लगे तो उसे तुरंत फेंक दें।

सुविचार

खुद को कमजोर समझना
सबसे बड़ा पाप है ।
– स्वामी विवेकानंद

निशाना

वृत्तियां आदिम ही हैं...!

दिनेश मालवीय' अश्क '

आधुनिक माना समय, पर वृत्तियां आदिम ही हैं
आदमी में दिख रही सब ख़ामियां आदिम ही हैं।
एक सीमा तक कथित सब आधुनिक फिर बाद में
सब पुरुष आदिम ही हैं, सब स्त्रियां आदिम ही हैं।
कॉक फाइट या कि बुल फाइट या हो वह रोड रेज
डब्ल्यू डब्ल्यू एफ की सब कुश्तियां आदिम ही हैं।
जगमगाती रोशनी में सभ्यता की शान सब
रात के अंधियार में सब बस्तियां आदिम ही हैं।
निर्बलों पर बल दिखाना, भागना बलवान से
ध्यान से देखो सभी ये युक्तियां आदिम ही हैं।

गेजेट्स अपडेट

ट्रैवल राउटर के साथ बेहतरीन होगा सफर, हैकर्स के खतरे से भी बच सकेंगे

आज के समय में बिना इंटरनेट सफर की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सच तो यह है कि लोग इंटरनेट या कहें कि सोशल मीडिया की वजह से ज्यादा ट्रैवल करने लगे हैं। सफर में लोग अक्सर कैफे, होटल या पब्लिक वाई-फाई का पासवर्ड मांगते हैं। हालांकि ऐसे वाई-फाई कनेक्शन आपकी प्राइवेसी के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं। यहीं एंट्री होती है ट्रैवल राउटर की। जैसा कि नाम से समझ में आता है, यह सफर के दौरान साथ कैरी किए जाने वाला एक पॉकेट साइज डिवाइस होता है। अगर आप अपना सफर ट्रैवल राउटर के साथ कर रहे हों, तो यकीन मानिए आपका अनुभव पूरी तरह से बदल सकता है।

दरअसल यह राउटर ना सिर्फ आपकी प्राइवेसी की रक्षा हैकर्स से करता है बल्कि जबरदस्त स्पीड के साथ एक साथ आपके फोन, लैपटॉप और टैबलेट को कनेक्ट कर आपके काम को आसान बना सकता है। इस ट्रैवल राउटर के फायदे इतने हैं कि हर स्मार्ट ट्रैवलर को इस डिवाइस को अपने साथ जरूर रखना चाहिए।

पब्लिक या होटलों के वाई-फाई की समस्या ये है कि हर डिवाइस को अलग से लॉगिन करना पड़ता है। कई जगह तो एक रूम में केवल 2 या 3 डिवाइस ही कनेक्ट करने की लिमिट होती है। ट्रैवल राउटर इस झंझट को खत्म कर देता है। इसके लिए आपको सिर्फ राउटर को होटल के नेटवर्क से जोड़ना पड़ता है और आपके बाकी सभी गैजेट्स खुद-ब-खुद आपके पर्सनल राउटर से कनेक्ट हो जाते हैं। इससे आपका समय भी बचता है और आप डिवाइस लिमिट को भी आसानी से बायपास कर लेते हैं।

बेहतर प्राइवेसी के लिए जरूरी: पब्लिक वाई-फाई हैकर्स का पसंदीदा अड्डा होते हैं। ट्रैवल राउटर आपके और पब्लिक नेटवर्क के बीच एक दीवार यानी कि Firewall की तरह काम करता है। यह आपके डिवाइसेज को नेटवर्क पर छिपा देता है। आजकल के मॉडर्न ट्रैवल राउटर्स में Built-in VPN की सुविधा भी मिलती है, जो आपके डेटा को एन्क्रिप्ट कर देती है। यानी आप होटल के असुरक्षित वाई-फाई पर भी बैंकिंग जैसे संवेदनशील काम बिना चिंता के कर सकते हैं। सफर में सिग्नल कमजोर होना आम बात है। ऐसे में ट्रैवल राइटर कमजोर सिग्नल को पकड़कर उन्हें बूस्ट करता है। इससे आपके डिवाइसेज को बेहतर स्पीड और रेंज मिल पाती है। कुछ ट्रैवल राउटर्स सिम स्लॉट के साथ भी आते हैं। इनमें आप अपना पर्सनल सिम लगाकर अपना हॉटस्पॉट क्रिएट कर सकते हैं। फोन पर ऐसा करने पर आपके फोन की बैटरी तेजी से गिरती है। इसके अलावा अगर आपके होटल में ईथरनेट यानी कि वायर्ड इंटरनेट उपलब्ध है, तो उसे आप राउटर में लगाकर उसे वायरलेस वाई-फाई में बदल सकते हैं।

कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल डिजाइन: ये राउटर्स वजन में काफी हल्के और साइज में छोटे होते हैं। इन्हें आप अपनी जेब या लैपटॉप बैग के कोने में आसानी से रख सकते हैं। इनमें से कई मॉडल्स बैटरी से चलते हैं, जिन्हें आप चलते-फिरते जैसे बस या ट्रेन में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

नेचर नॉलेज

दुधवा टाइगर रिजर्व में मिलता है खतरनाक मोनोकल्ड कोबरा, ग्रामीण कहते हैं इसे चंद्रनाग

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के दुधवा टाइगर रिजर्व और आसपास के तराई क्षेत्रों में मोनोकल्ड कोबरा यानी चंद्रनाग पाया जाता है। यह एक अत्यंत विषैला और दुर्लभ सांप है, जिसकी पहचान इसके फन पर बने चंद्रमा जैसे निशान से होती है। ग्रामीण इलाकों में इसके दिखाई देने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं, जिससे लोगों में इसे लेकर काफी रोचकता और डर दोनों बना रहता है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगलों में कई दुर्लभ और विलुप्तप्राय सांप पाए जाते हैं। देश-विदेश से आने वाले सैलानी यहां वन्यजीवों का दीदार करने के साथ-साथ दुर्लभ प्रजातियों के सांपों को देखने भी पहुंचते हैं। इन्हीं में से एक बेहद खतरनाक और विषैला सांप मोनोकल्ड कोबरा है, जिसे आम भाषा में चंद्रनाग कहा जाता है। यह सांप बहुत ही कम दिखाई देता है और अपने विष के कारण बेहद खतरनाक माना जाता है। दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगलों से निकलकर यह सांप कुछ दिन पहले पलिया क्षेत्र के खुशीपुर गांव में दिखाई दिया था। यह सांप पलिया क्षेत्र में बहुत कम देखने को मिलता है और अधिकतर बसही व संपूर्णानगर की तराई में पाया जाता है। भोजन की तलाश में यह जंगलों से निकलकर रिहायशी इलाकों में भी दिखाई दे जाता है, हालांकि इसे एक दुर्लभ प्रजाति का सांप माना जाता है।

मोनोकल्ड कोबरा की सबसे बड़ी पहचान उसके फन पर बना गोल या चंद्रमा जैसा निशान होता है। आम भारतीय कोबरा में जहां चश्मे जैसा निशान दिखाई देता है, वहीं चंद्रनाग में एकल गोलाकार आकृति पाई जाती ह। इसका शरीर हल्के भूरे, पीले या काले रंग का हो सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में चंद्रनाग को लेकर कई तरह की कहानियां और मान्यताएं प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे अत्यधिक आक्रामक मानते हैं, जबकि कुछ इसे रहस्यमयी सांप भी बताते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह सांप इंसानों पर बिना वजह हमला नहीं करता है, लेकिन खतरा महसूस होने पर यह आत्मरक्षा में हमला कर सकता है।

इस सांप की लंबाई सामान्य रूप से 4 से 5 फीट तक होती है, हालांकि कई जगह यह 6 फीट तक भी पाया गया है। खतरा महसूस होने पर यह तुरंत अपना फन फैलाकर सामने खड़ा हो जाता है और फुफकारने लगता है। जंगलों की कटाई और प्राकृतिक आवास कम होने के कारण कई बार ये सांप भोजन और सुरक्षित स्थान की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर पहुंच जाते हैं। चंद्रनाग बेहद विषैला सांप है, लेकिन पर्यावरण के लिहाज से इसकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह खेतों और आसपास मौजूद चूहों और अन्य छोटे जीवों का शिकार करता है। चूहे फसलों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं, ऐसे में यह सांप अप्रत्यक्ष रूप से किसानों की मदद भी करता है। इसके अलावा यह छिपकली, मेंढक और अन्य छोटे जीवों को भी खाता है।

न्यूज विंडो

मंदिरों में चोरी करने वालों को पकड़ा, बरामद हुआ सामान

बालाघाट। बालाघाट पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के मंदिरों में हुई चोरी की 8 वारदातों का खुलासा करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में 3 युवक और 2 नाबालिग शामिल हैं।लांजी, हट्टा, नवेगांव और कोतवाली क्षेत्र के मंदिरों में लगातार हो रही चोरियों को रोकने के लिए पुलिस ने 5 विशेष टीमें गठित की थीं। सीएसपी मयंक तिवारी के अनुसार, गिरोह ने सहस्त्रबाहु मंदिर, सांई मंदिर और हनुमान मंदिर सहित कुल 8 धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया था। आरोपियों ने दानपेटी से नकदी, चांदी के छत्र और पीतल के घंटे चोरी किए थे। पुलिस ने आरोपियों के साथ गांव में ही प्रेसवार्ता की और मंदिरों तक उनका पैदल मार्च निकाला, जहां चोरों ने भगवान से अपने कृत्य के लिए माफी मांगी।

नकली दूध का काला खेल: खाद्य विभाग की नाक के नीचे चल रहा सिंथेटिक दूध का बड़ा प्लांट

पाउडर से बना रहे दूध, सफेदी और गाढ़ा करने मिलाया जाता था टिपोल केमिकल

धार। दोपहर मेट्रो

शहर की दीनदयाल कॉलोनी के पास एक दूध प्लॉट पर लोगों की जिंदगी के साथ सरेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। हमारी टीम द्वारा किए गए एक स्टिंग ऑपरेशन में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि यहाँ प्राकृतिक दूध नहीं, बल्कि मिल्क पाउडर, डिटर्जेंट और घातक रसायनों के मिश्रण से सिंथेटिक दूध तैयार कर शहर की नसों में जहर घोला जा रहा है।

मौके पर हमारी टीम ने देखा कि दूध को गाढ़ा करने और उसमें झाग पैदा करने के लिए टिपोल जैसे खतरनाक डिटर्जेंट का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। जिस केमिकल का उपयोग भारी मशीनों की ग्रीस और गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है, उसे यहाँ दूध की कैनों में मिलाया जा रहा है ताकि वह असली और मलाईदार नजर आए। 4 से 5 हजार लीटर अमानक दूध की सप्लाई इस प्लांट से होती है, टिपोल डिटर्जेंट, यूरिया और मिल्क पाउडर का घातक कॉकटेल से इसे तैयार किया जाता है, प्लॉट पर भारी मात्रा में दुध पाउडर की बोरियाँ और केमिकल की कैन जमा की गई है। जब वहां मौजूद इन सभी पाउडर और अन्य सामग्री के विषय में वहां के कर्मचारियों से सवाल किए, तो वे नजरें चुराते दिखे और कोई जवाब नहीं दे पाए। हैरानी की

बात यह है कि शहर के इतने करीब इतना बड़ा काला कारोबार चल रहा है, लेकिन खाद्य विभाग ने अभी इस प्लांट से सैंपल तक नही लिए। सवाल यह उठता है कि क्या विभाग के अधिकारियों को इसकी खबर नहीं है? या फिर इस नकली दूध के सौदागर को विभाग का संरक्षण प्राप्त है। इतने बड़े पैमाने पर तैयार हो रहे इस सफेद जहर की आज तक जांच न होना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है।

सीधे लीवर और किडनी पर हमला

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के सिंथेटिक दूध का सेवन धीमी मौत के समान है। इसमें मौजूद डिटर्जेंट और केमिकल से पेट में गंभीर संक्रमण और अल्सर हो सकता है।यूरिया के कारण किडनी फेल होने का खतरा रहता है। बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर इसका घातक असर पड़ता है।

कलेक्टर राजीव रंजन मीना से शहर को उम्मीदें

धार के नए जिला कलेक्टर राजीव रंजन मीना पदभार संभालते ही एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं। अब शहर की जनता की नजरें उन पर टिकी हैं। क्या कलेक्टर साहब इस अवैध प्लॉट पर कार्रवाई करेंगे या खाद्य विभाग अपने संरक्षण के चलते हुए इस मामले को रफा-दफा कर देगा। दुध प्लांट संचालक असीम शर्मा ने बताया कि हमारे प्लांट पर किसी भी प्रकार का केमिकल और पाउडर का उपयोग नहीं होता है। खाद्य अधिकारी सचिन लोंगरिया ने बताया कि आपसे जानकारी मिली है, दुध प्लांट की जांच करवाकर किसी प्रकार की अवैध गतिविधियां पाई गई तो वैधानिक कार्यवाही करेंगे।

नगरपालिका में सीएमओ श्रीमती पटले ने की जनसुनवाई

आवास योजना के आवेदन आए, नाली निर्माण और पेयजल समस्या का किया निराकरण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जनसुनवाई के माध्यम से जहां नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है वहीं नपा के अधिकारी कर्मचारी भी सक्रिय हो जाते हैं। आज नगरपालिका में मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा जनसुनवाई की गई। जिसमें नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही सभी शाखाओं को सख्त निर्देश दिए गए कि जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर समयसीमा में कार्रवाई की जाए।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर प्रति गुरूवार को नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। गुरूवार को जनसुनवाई में पीएम आवास योजना के तहत सूची में नाम जुड़वाने के आवेदन आए। जिस पर सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा

संबंधित शाखा को सर्वे कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा नाली निर्माण, स्वच्छता, पेयजल संबंधी आवेदन आए थे। सीएमओ श्रीमती पटले ने सुनवाई करते हुए अधिकांश समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया।

नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि लोक कल्याण हेतु नपा में प्रति गुरूवार को जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। नागरिकों में जागरूकता आ रही है और लोग अपनी समस्याओं का समाधान कराने जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं। नपा के अधिकारी कर्मचारी को जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

छात्रों ने कटोरा लेकर किया प्रदर्शन पेपर लीक के विरोध में फूटा आक्रोश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नीट परीक्षा पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के विरोध में संजय गांधी शासकीय महाविद्यालय में युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई ने संयुक्त रूप से जोरदार प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा एवं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में कटोरा लेकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार हो रहे पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार ने युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। पढ़ाई और मेहनत करने के बावजूद छात्रों को न्याय नहीं मिल रहा है, जिससे युवाओं में भारी निराशा है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि सरकार पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में विफल रही, तो आने वाले समय में शिक्षित युवाओं को रोजगार के बजाय भीख मांगने जैसी स्थिति का सामना करना

पड़ेगा। कटोरा लेकर प्रदर्शन करने का उद्देश्य सरकार और समाज को यह संदेश देना था कि युवाओं का भविष्य लगातार संकट में पड़ता जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने नारेबाजी करते हुए सरकार से मांग की कि पेपर लीक की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए, नकल माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा युवाओं को रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराए जाएं। युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब तक युवाओं को उनका अधिकार और न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन लगातार जारी रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ महिला कांग्रेस नेत्री विद्या यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जगदीश सुहाने, एस.एन. तिवारी, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमित सिंह, कांग्रेस नगर अध्यक्ष रविंद्र नागोरी, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजय गोस्वामी, युवा कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष विकास यादव, गोलू रघुवंशी, सत्यम बाजपेई, राजवर्धन राजपूत, रघुवंशी, पीयूष राजपूत, गौरव रघुवंशी, विशांक रघुवंशी, विक्रम रघुवंशी, अंशु शर्मा, अनुज दुबे, सुमित मालवीय सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेप पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए करना पड़ा इंतजार

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले में रेप पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल लाने के बाद पुलिस और पीड़िता को करीब 5 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टर को कई बार सूचना देने के बावजूद वह समय पर अस्पताल नहीं पहुंचीं। इस दौरान पीड़िता अस्पताल में परेशान होती रही।इस घटना पर अस्पताल प्रबंधक और सिविल सर्जन सुशील दुबे का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली जा रही है। मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया है। जांच के बाद कार्रवाई करेंगे।

देवास पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट केस: 2 और घायलों ने दम तोड़ा, अब तक 5 की मौत

देवास। दोपहर मेट्रो

जिले में स्थित टोंककला के पास एबी रोड पर स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में गुरुवार को हुए भीषण विस्फोट मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। बता दें कि, हादसे में मौतों का आंकड़ा बढ़कर 5 हो गया है। देर रात अमलतास अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती दो और मजदूरों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। मृतकों के नाम गुड्डू और अमर बताए जा रहे हैं।

इससे पहले फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में कलेक्टर ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में आरोपी और फैक्ट्री के मालिक अनिल मालवीय के खिलाफ देवास जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने रासुका की कार्रवाई की है। अनिल मालवीय पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत करवाई की जाएगी। ये कार्रवाई पुलिस अधीक्षक की रिपोर्ट पर पटाखा लाइसेंस का गलत तरीके से इस्तेमाल करने और नियम शर्तों का पालन न करने पर की गई है। वहीं, मामले में उज्जैन संभागायुक्त ने भी मामले को

लेकर मजिस्ट्रियल जांच की घोषणा की है। उज्जैन संभागायुक्त कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट मामले की मजिस्ट्रियल जांच की जाएगी। इसके लिए दो अधिकारियों की टीम का भी गठन किया गया है जिसमे उज्जैन जिले के अपर कलेक्टर अतेंद्र सिंह गुर्जर और औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग इंदौर में संचालक स्तर अधिकारी नमिता तिवारी शामिल है। जारी आदेश के अनुसार, जांच अधिकारी एक सप्ताह के भीतर पूरी जांच करके तथ्यात्मक रिपोर्ट आयुक्त को सौंपेंगे। हादसे के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस हादसे में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। हादसे की जानकारी लगते ही सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस हादसे की जांच के आदेश भी दे दिए हैं।

कटनी के जगतपुर उमरिया में जल संकट, नल जल योजना ठप, लोग परेशान

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बड़वारा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जगतपुर उमरिया में पिछले एक सप्ताह से नल-जल योजना कटनी के ठप पड़ी है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल आपूर्ति बाधित होने से करीब 200 परिवार जल संकट का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों को पीने और दैनिक कार्यों के लिए पानी की भारी किल्लत हो रही है।

मंडला के बिछिया क्षेत्र में बस के ब्रेक फेल होने से टलान में गिरी

मंडला। जिले के बिछिया में देर रात को आकाश ट्रेवल्स की एक यात्री बस के ब्रेक फेल हो गए। अनियंत्रित बस ढलान पर करीब आधा किलोमीटर तक उल्टी दिशा (रिवर्स) में दौड़ती रही। इसके बाद एक मोड़ पर बिजली की मुख्य लाइन के खंभे से टकरा गई। टक्कर के बाद बस सड़क किनारे स्थित एक गहरे गड्ढे में जाकर फंस गई। बस के अनियंत्रित होने से सड़क पर चल रहे वाहन चालकों और राहगीरों में हड़कंप मच गया।सूचना मिलने के बाद पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर यांत्रिक खराबी और लापरवाही के पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

संस्कृत प्रबोधन शिविर में संस्कृति और संस्कारों का संगम

गायत्री दीप यज्ञ के साथ मंत्र लेखन पुस्तिकाओं का निःशुल्क वितरण

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सरस्वती शिशु मंदिर लाल पठार में आयोजित संस्कृत भारतीय प्रबोधन शिविर में इन दिनों संस्कृत भाषा सीखने के लिए देशभर से आए जिज्ञासुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। शिविर में 12 जिलों से लगभग 100 विद्यार्थी एवं संस्कृत प्रेमी शामिल हुए हैं। 12 वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक की आयु के लोग इस भीषण गर्मी में भी पूरे समर्पण और उत्साह के साथ देववाणी संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं। नगर को इस प्रकार के दुर्लभ संस्कृत शिविर की मेजबानी का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जहां संस्कृत भाषा को सीखने के साथ उसके महत्व को भी प्रतिपादित किया जा रहा है। शिविर के दौरान गायत्री परिवार द्वारा दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। दीप यज्ञ में अनेक दीप प्रज्वलित कर सभी जिज्ञासुओं ने विश्व शांति एवं सद्बुद्धि की कामना के साथ गायत्री मंत्र का सामूहिक जाप किया। इस अवसर पर पूनम तिवारी एवं सुरेश सैनी द्वारा गायत्री मंत्र लेखन की लगभग 100 पुस्तिकाओं का शिविरार्थियों को निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री परिजन बसंत पाण्डेय, संगीता शर्मा, सूरज सिंह, अनीता महेश्वरी, संगम गोयल, नारायण सिंह दांगी एवं वेद प्रकाश खरे का विशेष योगदान रहा।

शिविर का दायित्व संभाल रहे प्रांत अधिकारी जागेश्वर जी ने गायत्री परिवार के इस अभियान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

न्यूज विंडो

टेरिटोरियल आर्मी में चयन से खुशी की लहर, अमजद अली का किया सम्मान

तेंदूखेड़ा। ग्राम तेजगढ़ में होनहार युवा अमजद अली के टेरिटोरियल आर्मी में चयन होने पर ट्रेनिंग के लिए रवाना होने से पहले सम्मान एवं शुभकामना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अमजद अली का फूलमालाओं से स्वागत कर उनका सम्मान किया। पूरे माहौल में गर्व उत्साह और भावुकता साफ दिखाई दे रही थी। हर किसी की जुबान पर यही बात थी कि गांव का बेटा अब देश की सेवा करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी अरविन्द सिंह लोधी ने कहा कि आज के समय में युवाओं का सेना और सुरक्षा सेवाओं की ओर बढ़ना समाज और देश के लिए बेहद सकारात्मक संदेश है। उन्होंने कहा कि अमजद अली ने मेहनतए अनुशासन और संघर्ष के दम पर यह मुकाम हासिल किया है, जो क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। महेन्द्र दीक्षित ने कहा कि छोटे गांवों और कस्बों में रहने वाले युवाओं के सपने भी बड़े होते हैं। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत स'ची हो तो सफलता जरूर मिलती है। अमजद अली ने यह साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत से हर मंजिल हासिल की जा सकती है। मनोहर सिंह लोधी ने कहा कि अमजद अली का चयन केवल उनके परिवार की नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की उपलब्धि है। जब गांव का कोई बेटा सेना में जाता है तो पूरे समाज का सम्मान बढ़ता है।

आदिवासी महिला ने एसडीएम आफिस पहुंचकर दिया आवेदन, बताई हकीकत

तेंदूखेड़ा। नगर की निवासी धंतोबाई पति फूलसींग गोंड़ 70 ने एसडीएम को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई हैं, धंतोबाई ने बताया कि मुझे लोगों द्वारा बताया गया है कि तुम्हारा नाम अखबार में छपा है, जिसमें लिखा है कि पटवारी जगदीश मेंमार द्वारा वर्ष 2008 में तहसील के बगल की भूमि मुझसे रजिस्ट्री करवा ली है, साथ में यह भी लिखा है कि पटवारी जगदीश मेंमार मुझे शासन से उक्त भूमि का मुआवजा दिलवायेंगे ये बातें सभी झूठी हैं। मेरे द्वारा जगदीश मेंमार पटवारी को किसी भी प्रकार की न रजिस्ट्री की गई है और न ही किसी प्रकार की मुआवजा के संबंध में बात ही नहीं हुई है। बास्तविकता यह है कि मेरी भूमि पर पंकज जैन एवं उसके रिश्तेदारों द्वारा जबरन कब्जा कर बाउंड्रीवाल बना ली है। जो वह भूमि पेट्रोल पंप एवं लोकसेवा केन्द्र के बीच में है। जिसके संबंध में मेरे द्वारा कई बार तहसील कार्यालय एवं दमोह में शिकायत की है, परंतु उस पर कोई कार्यवाही न कर मेरे संबंध में झूठी एवं भ्रामक जानकारी अखबार में प्रकाशित की गई हैं। अगर अधिकारी न्याय दिलाना ही चाहते हैं तो मुझे मेरी भूमि दिलाएं साथ ही उक्त झूठी खबर अखबारों में प्रकाशित हुई है, उसके संबंध में कार्यवाही करें। पटवारी जगदीश मेमार ने बताया कि अधिकारियों द्वारा वास्तविकता छुपाई जा रही हैं, शासन प्रशासन को गुमराह कर मेरे उपर आरोप लगाएं जा रहे हैं। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ हैं जांच करवाते हैं जो सही होंगा सामने आएंगा।

शराब भंडारण कांड में फरार आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

धार। जिले में अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब के बड़े भंडारण मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी अजय उर्फ अज्जू माइकल को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह पूर्व में हत्या के प्रयास और शराब तस?करी जैसे मामलों में जेल भी जा चुका है। कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब भंडारण की कार्रवाई की थी, इस मामले में पुलिस ने 8 मार्च 2026 को आरोपी चिक्की उर्फ ईमानवेल और उसकी पत्नी रानू ब्राउन को गिरफ्तार किया था। आरोपी चिक्की उर्फ ईमानवेल वर्तमान में जिला जेल धार में बंद है तथा उसकी पत्नी को उच्च न्यायालय खंडपीठ से जमानत प्राप्त हुई है। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस पूरे नेटवर्क में अजय उर्फ अज्जू माइकल निवासी शुक्ला कॉलोनी की संलिप्तता पाई गई थी, जिसके बाद से ही वह फरार चल रहा था। नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के मार्गदर्शन और कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी को 13 मई को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब आरोपी से शराब के अवैध क्रय-विक्रय और नेटवर्क से जुड़े अन्य नामों के बारे में पूछताछ कर रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

बिगड़ती कानून व्यवस्था से आक्रोशित शहर कांग्रेस ने कबूला पुल के पास धरना दिया

अवैध शराब और जुआ -सट्टे का अड्डा बन कर रह गया सागरः जाटव

सागर। दोपहर मेट्रो

जिला शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कबूला पुल पर धरना का आयोजन किया एवं जिला पुलिस अधीक्षक के नाम सात सूत्रीय मांगों को लेकर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा कांग्रेस जनों ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि सागर जिले में निठल्ले अधिकारी होने के कारण जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। जिला अवैध शराब, जुआ -सट्टा का अड्डा बन कर रह गया है। मारपीट, चोरी आम बात हो गई है। पूरा शहर ट्रैफिक जाम में फंसा रहता है लेकिन कुंभकर्णी नींद में सोए अधिकारी धृतराष्ट्र की तरह आंख पर पट्टी बांध कर एसी की हवा खा रहे हैं या सिटी से दूर पेड़ की छांव ने नीचे चालान काटने का धंधा कर रहे हैं। जाटव ने कहा कि शहर में मेडिकल स्टोर पर नशे की गोलियां बिक रही हैं सस्ते नशे में कटरबाज आतंक मचा रहे हैं। बीते दिनों शाहपुर में शराब के कारण दो जाने चली गई।

पूर्व विधायक सुनील जैन ने कहा कि नवागत कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक अपराधियों में भय पैदा करने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। शाहपुर की घटना निंदनीय है एवं मकरोनिया में जो शराब का ट्रक पकड़ा गया उसमें पुलिस की खामोशी चिंता का विषय है शहर में अवैध शराब जुआ सट्टा नशीली पदार्थ पर पुलिस का नियंत्रण नहीं है। बब्बू यादव ने आरोप लगाया कि शहर में जो अपराध हो रहे हैं उन अपराधियों को संरक्षण प्रदान किया जाता है। मुकुल पुरोहित ने कहा सागर जिला के विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल ना करने के कारण वो काम नहीं कर रहे हैं। कमरों में बैठकर मुंगेरीलाल की तरह सपने देख रहे हैं। अमित राम जी दुबे ने मुख्यमंत्री से इस्तीफा की मांग की है प्रदेश चलाने में वो असमर्थ साबित हो रहे हैं धरने को राहुल चौबे, शैलेंद्र तोमर,संदीप चौधरी, सागर साहू, जितेंद्र चौधरी किरण लता सोनी, विनीत ताले वाले, वीरेंद्र राजे पवन जाटव ने भी संबोधित किया। धरने का संचालन एवं ज्ञापन का वाचन संगठन महामंत्री रामकुमार पचौरी एवं आभार सिंटू कटारे ने माना.धरने में, सुरेंद्र सुहाने,शरद पुरोहित, नरेंद्र मिश्रा,शेलु तोमर, रवि उमाहिया,कमलेश तिवारी, नीलेश अहिरवार, दीनदयाल तिवारी, समीर खान, पार्षद अशोक साहू, चकिया, लीलाधर सूर्यवंशी, लल्ला यादव सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

क्षमता से कम न चलें छात्रावास, शत-प्रतिशत सीटों पर हों प्रवेशः कलेक्टर

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने निर्देश दिए हैं उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी छात्रावास अपनी निर्धारित क्षमता से कम पर संचालित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जितनी सीटें स्वीकृत हैं, वे सभी भरी रहें, ताकि पात्र छात्रों को शासन की योजनाओं का पूर्ण लाभ मिल सके। बैठक में जिले के सभी छात्रावासों के अधीक्षक और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने एक-एक कर छात्रावासों की वर्तमान स्थिति, छात्र संख्या और वहां उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी सीट खाली न रहे। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के ऑनबोर्डिंग और प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। जो छात्रावास निजी भवनों में संचालित हैं, उनके रेंट एग्रीमेंट (किरायानामा) और अनुबंधों को समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्रावासों में साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन, पेयजल और निर्बाध विद्युत आपूर्ति पर विशेष जोर दिया। पेयजल गुणवत्ता के लिए पीएचई विभाग के माध्यम से जल के नमूनों की जांच कराने के निर्देश भी दिए गए ताकि छात्रों के स्वास्थ्य से कोई समझौता न हो। जाति प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन कार्य को एसडीएम स्तर से हल कराने कहा गया।

यात्री प्रतीक्षालय बना शराबियों का अड्डा प्रतीक्षालय के अंदर जाने से कतराते हैं यात्री

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

44 डिग्री तापमान में जहां व्यक्ति छाया की तलाश में रहता हैं, लेकिन अव्यवस्थाएं देखकर धूप में ही खड़ा रहना पसंद करता हैं ऐसा ही नजारा नगर के यात्री प्रतीक्षालय का हैं, जो बना तो हैं यात्रियों के लिए लेकिन दिन का समय हो या रात का समय प्रतीक्षालय में शराबियों का जमावड़ा लगा ही रहता हैं। दमोह जाने के लिए बसस्टेंड में बस की प्रतीक्षा कर रहे यात्री अपने परिवार के साथ प्रतीक्षालय पहुंचे तो नजारा देखकर तुरंत ही वापिस आ गए।

यात्री धनीराम ने बताया कि प्रतीक्षालय के अंदर कुछ लोग शराब पी रहे थे, साथ ही अंदर बहुत ही बदबू आ रही थी। पूरे प्रतीक्षालय में डिस्पोजल एवं शराब के क्वार्टर पड़े हैं। ऐसे में परिवार के साथ अंदर जाना उचित नहीं समझा। धूप में ही खड़े रहकर बस का इंतजार करते रहे। बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए किसी भी प्रकार के कोई इंतजाम नहीं हैं। प्रतीक्षालय के मुख्य द्वार पर प्याउ नगर परिषद की तरफ से संचालित हैं, जहां से शराबी ठंडा पानी लेकर प्रतीक्षालय के अंदर बैठकर शराब पीते हैं। सीएमओ प्रेमसिंह चैहान ने कहा कि नगर के लोगों का भी दायित्व बनता हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे कार्य न करे साथ ही इस संबंध में पुलिस को एक पत्र जारी किया जाएंगा एवं तुरंत ही साफ सफाई करवा कर फेसिंग कराई जाएंगी।

विद्यालय डोम निर्माण हेतु 10 लाख रुपए देने की घोषणा, शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग में मंत्री प्रहलाद पटेल बोले-

शिशु मंदिर की बृहद श्रृंखला में संस्कृति संरक्षण का अद्भुत कार्यः पटेल

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर योजना के अंतर्गत संचालित शहरी, ग्रामीण, वनवासी एवं सेवा प्रकल्प भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संस्कारयुक्त शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आचार्य अपने आत्मबल, सादगी और सेवा भाव से समाज में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित कर रहे हैं। युग परिवर्तन का कार्य केवल गुरु तत्व के माध्यम से ही संभव है।

यह बात मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं नरसिंहपुर विधायक प्रह्लाद पटेल ने सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में आयोजित प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य एवं दक्षता प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रभावना के संवाहक हैं। यहां तैयार होने वाली पीढ़ी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जालम सिंह पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष रामसनेही पाठक, प्रांत एवं क्षेत्र संयोजक प्रभात सिंह, प्रांत सह संयोजिका संतोषी सोनी, वर्ग संयोजिका कुमुद रानी दुबे, व्यवस्थापक धर्मेंद्र सिंह ममार, उपाध्यक्ष संजय दुबे, सदस्य अजय प्रताप सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनीष कटारे एवं महंत पीतमपुरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती और भारत माता पूजन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत शाल-श्रीफल से किया गया। स्वागत गीत श्रीमती संध्या मिश्रा एवं वर्ग गीत की प्रस्तुति प्रशिक्षिका नेहा पाटकर द्वारा दी गई।

प्रांत सह संयोजिका श्रीमती संतोषी सोनी ने 5 मई से 20 मई तक संचालित शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं व्यवस्थापक धर्मेंद्र सिंह ममार ने विद्यालय का वृत्त प्रस्तुत करते हुए विद्यालय परिसर में डोम निर्माण हेतु सहयोग राशि की मांग रखी। इस पर मंत्री प्रह्लाद पटेल ने विद्यालय के लिए 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करने की घोषणा कर उपस्थित जनसमूह की सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षार्थी दीदियों को स्मृति उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने शिशु वाटिका उद्यान एवं कक्षाओं का अवलोकन कर वहां संचालित जीवंत शैक्षणिक गतिविधियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर पूर्व छात्र अभिषेक नेमा, अंशुल नेमा, मयंक जैन, शांतनु साहू सहित मीडिया जगत से जुड़े गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर एएनएम कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नियमित पदों पर संविलियन तथा वेतन विसंगतियों को जल्द किया जाए दूर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

संयुक्त ए.एन.एम. एसोसिएशन संविदा , नियमित कर्मचारी संघ म.प्र. तेंदूखेड़ा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मुख्य खण्ड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरोनिया को अपनी विभिन्न लंबित मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया।

संघ द्वारा प्रस्तुत प्रमुख मांगों में ए.एन.एम. को पुनः नर्सिंग कैडर में शामिल करना, एएनएम का ग्रेड पे 3200 रुपए किया जाना, संविदा एफ.ए.एन.एम. कर्मचारियों का नियमित पदों पर संविलियन तथा वेतन विसंगतियों को दूर करना प्रमुख रूप से शामिल हैं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उक्त मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिससे कर्मचारियों में निराशा एवं असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि ए.एन.एम. कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं, इसके बावजूद उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है। संघ ने प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान शेख शकीला, अर्पिता रैकवार, नेहा यादव, रुक्मणी पाठकर, विनीता पाल, मंजू कुर्मी, परवीन खान, मालती ठाकुर, गेंदा ठाकुर, रश्मि सेन, माया यादव, उज्जवला पटेल सहित बड़ी संख्या में ए.एन.एम. कर्मचारी उपस्थित रहीं। संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आगामी समय में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान

भदभदा रोड़, बरखेड़ी कलां भोपाल (0755) 2696612 फैक्स नं. 0755-2696697

E-mail:dirsiaet@mp.gov.in, siaetbhopal@gmail.com

क्र./भण्डार/40/ई-टेन्डर / भाग-04 / 2026-27 / 417 भोपाल, दिनांक 08/05/2026

ई - निविदा आमंत्रण सूचना

राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (SIAET) भदभदा रोड़, बरखेड़ी कलां भोपाल (म.प्र.) में निम्नानुसार कार्य एवं व्यवस्था हेतु एक वर्ष के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	निविदा विषय	निविदा आमंत्रण	कार्य का क्षेत्र	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	ई-निविदा खोलने का दिनांक	ई-निविदा क्र. दिनांक
1	किराये पर वाहन	द्वितीय निविदा	शासकीय कार्य	रु. 75,000/-	रु. 1000/- (एक हजार)	03.06.2026 (03.00 PM)	2026_SIAET_506075_1
2	संस्थान परिसर की सुरक्षा व्यवस्था	द्वितीय निविदा	संपूर्ण संस्थान परिसर	रु. 75,000/-	रु. 1000/- (एक हजार)	03.06.2026 (04.00 PM)	2026_SIAET_506094_1

उपरोक्त कार्य के लिए विस्तृत सेवा शर्तें निविदा फार्म में उल्लेखित है। निविदा प्रपत्र दिनांक 11.05.2026 से दिनांक 02.06.2026 तक वेबसाइट https://mptenders.gov.in के माध्यम से देखा एवं क्रय किया जा सकेगा। निविदा प्रपत्र शुल्क एवं धरोहर राशि का ऑनलाइन (ई-पेमेंट) वेबसाइट https://mptenders.gov.in के माध्यम से किया जावेगा। इच्छुक एजेंसी निविदा उक्त वेबसाइट पर दिनांक 02.06.2026 को दोपहर 02:00 PM बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। निविदा प्रपत्र के साथ फर्म की सील व अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षरयुक्त आवेदन में चाहें गए प्रपत्रों की स्कैन कापी अपलोड करना अनिवार्य होगा।

निविदा संबंधी अन्य विवरण उक्त वेबसाइट पर देखे जा सकते है। किसी भी संशोधन की सूचना उपरोक्त वेबसाइट पर ही अपलोड की जावेगी। निविदा के संबंध में जानकारी हेतु SIAET में कार्यालयीन समय में अवकाश छोड़कर संपर्क किया जा सकता है।

संचालक
राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण
संस्थान बरखेड़ी कलां भोपाल

जी-12847/26

थाईलैंड ओपन 2026 में भारत की मजबूत मौजूदगी

पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की दमदार जीत, पहुंचे क्वार्टर फाइनल

बैंकाक, एजेंसी

थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के शीर्ष खिलाड़ियों ने एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बैंकॉक में खेले जा रहे इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती लगातार मजबूत होती जा रही है।

विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर मौजूद पीवी सिंधु ने डेनमार्क की खिलाड़ी अमाली शुल्ज के खिलाफ शानदार नियंत्रण दिखाते हुए सिर्फ 28 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। सिंधु ने यह मैच 21-13, 21-15 से जीता और पूरे मैच के दौरान अपने अनुभव और आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाया। इससे पहले पहले राउंड में भी सिंधु ने चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 21-9, 21-12 से हराकर अपनी फॉर्म का संकेत दे दिया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से होगा। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधु 15-13 से आगे हैं, जिससे यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

भारत की अन्य उपलब्धियां और प्रदर्शन

भारत के अन्य खिलाड़ियों ने भी इस टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया है। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत ने सिंगापुर के लोह कीन यू को सीधे गेमों में हराकर मजबूत शुरुआत की। वहीं लक्ष्य सेन ने भी चोट से वापसी करते हुए अपने मुकाबले में जीत दर्ज की। महिला वर्ग में देविका ने जापान की एन. निदाइरा को हराकर प्रभावित किया, जबकि आकर्षी कश्यप ने झांग वेन यू के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। हालांकि अनमोल खार्ब को विश्व नंबर 4 चेन यू फेई के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद हार का सामना करना पड़ा।

क्वार्टर फाइनल में भारत की उम्मीदें बरकरार

कुल मिलाकर थाईलैंड ओपन 2026 में भारतीय शटलरों का प्रदर्शन अब तक प्रभावशाली रहा है। पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ियों से देश को पदक की बड़ी उम्मीदें हैं। आने वाले मुकाबलों में उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि भारत इस टूर्नामेंट में कितनी दूर तक जा सकता है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन

भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखा है। उन्होंने मलेशिया की ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और मुहम्मद हाइकल की जोड़ी को सीधे गेमों में 21-12, 21-19 से मात दी। सात्विक और चिराग इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में शामिल हैं और 2019 व 2024 में खिताब जीतने का अनुभव उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करता है। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना जापान की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से होगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बांग्लादेश का जलवा

शांतो-मोमिनुल को बड़ा फायदा पाक पर ऐतिहासिक जीत का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन के दम पर बड़ी छलांग लगाई है। पाकिस्तान के खिलाफ ढाका टेस्ट में मिली ऐतिहासिक जीत का सीधा फायदा बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को हुआ है। टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और अनुभवी बल्लेबाज मोमिनुल हक की रैंकिंग में खास सुधार देखने को मिला है, जबकि गेंदबाजों ने भी अपनी छाप छोड़ी है। नजमुल हुसैन शांतो ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 101 रनों की दमदार शतकीय पारी खेली और दूसरी पारी में 87 रन जोड़कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन के बाद उन्हें आईसीसी टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में 16 पायदान का फायदा मिला है। अब शांतो 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके टेस्ट करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। उनका यह प्रदर्शन टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ और उनकी निरंतरता ने उन्हें शीर्ष बल्लेबाजों की सूची में मजबूत जगह दिलाई है।

बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज मोमिनुल हक को भी रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला है। वे 12 पायदान की छलांग लगाकर अब 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं। मोमिनुल की बल्लेबाजी में स्थिरता और महत्वपूर्ण समय पर योगदान ने टीम को मजबूती दी। पाकिस्तान के खिलाफ इस जीत में उनका योगदान बांग्लादेश के मध्यक्रम को संतुलन देने वाला रहा।

गेंदबाजी रैंकिंग में भी बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने सुधार किया है। तैजुल इस्लाम, जिन्होंने पहले टेस्ट में 4 विकेट झटके थे, 3 पायदान की छलांग लगाकर अब 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी स्पिन गेंदबाजी ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। वहीं, लंबे समय बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले तस्कीन अहमद भी 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 5 पायदान की छलांग लगाकर 64वें स्थान पर पहुंच गए। दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भी मिला फायदा

इस टेस्ट में हार के बावजूद कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास, जिन्होंने पहली पारी में 5 विकेट लिए थे, अब 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ढाका में खेले गए इस टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 104 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। यह पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनकी पहली घरेलू जीत है। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे, जबकि पाकिस्तान ने जवाब में 386 रन बनाए। दूसरी पारी में बांग्लादेश ने 268 रनों का लक्ष्य दिया, जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 163 रन पर सिमट गई।

18 गेंदों में 50 रन नहीं बचा सकी पंजाब लगातार पांचवां मैच हारी श्रेयस की टीम

धर्मशाला, एजेंसी

आईपीएल की शुरुआत से ही पंजाब किंग्स की गेंदबाजी यूनिट सवालों के घेरे में रही है। बल्लेबाजों के दम पर 200 का स्कोर बनाने वाली टीम के गेंदबाज डिफेंड करने में नाकाम रहे। इसका मुजायरा आज के मैच में देखने को मिला, जब आखिरी 18 गेंदों पर मुंबई को जीत के लिए 50 रनों की जरूरत थी और गेंदबाज विफल रहे। बता दें कि, गुरुवार को धर्मशाला में खेले गए आईपीएल मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने प्रभसिमरन सिंह की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। पंजाब के लिए अजमतुल्लाह ओमरजई ने दो विकेट लिए जबकि मार्को यानसेन और युजवेंद्र चहल ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने मुंबई को इस मैच में अच्छी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई, जिसके ओमरजई ने तोड़ा। उन्होंने रिकेल्टन को प्रियांश आर्या के हाथों कैच कराया। वह 23 गेंदों में 48 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद यानसेन ने नमन धीर को पवेलियन भेजा। वह सिर्फ नौ रन बना सके। वहीं, रोहित (25) भी चहल का शिकार बने। 88 पर तीन विकेट खो चुकी मुंबई को एक बड़ी साझेदारी की जरूरत थी। मोर्चा तिलक वर्मा और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला।

आईपीएल में कप्तानों पर गिरेगी गाज?

पंत, रहाणे और अक्षर पर लटक रही तलवार

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल सिर्फ चौके-छक्कों और ग्लैमर का टूर्नामेंट नहीं है। यहां एक खराब सीजन सिर्फ टीम को नहीं डुबोता, बल्कि कप्तानों का करियर भी हिला देता है।आईपीएल 2026 अब अपने आखिरी दौर में पहुंच चुका है और इसी के साथ तीन बड़े कप्तानों की कुर्सी बुरी तरह हिलती दिखाई दे रही है - ऋषभ पंत, अजिंक्य रहाणे और अक्षर पटेल। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन तीनों कप्तानों का भविष्य अब उनकी फ्रेंचाइजी के हाथ में नहीं, बल्कि आने वाले 'रिव्यू मीटिंग्स' में तय होगा। वजह साफ है- टीमों का खराब प्रदर्शन, कमजोर रणनीति और कप्तानी में वो धार नहीं दिखी जिसकी उम्मीद थी। अगर किसी कप्तान पर सबसे ज्यादा दबाव है तो वो हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत। LSG प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है और लगातार दूसरे सीजन टीम का फ्लॉप होना फ्रेंचाइजी को बेहद परेशान कर रहा है। पंत पर टीम ने करोड़ों रुपये खर्च किए थे। लेकिन मैदान पर उनका प्रदर्शन उस भरोसे के आसपास भी नहीं दिखा। 11 मैचों में सिर्फ 251 रन और स्ट्राइक रेट 138.67... आधुनिक टी 20 क्रिकेट में ये आंकड़े किसी स्टार बल्लेबाज के नहीं लगते।

रहाणे का अनुभव भी नहीं आया काम | कोलकाता नाइट राइडर्स ने अजिंक्य रहाणे को कप्तान बनाकर अनुभव पर दांव खेला था। लेकिन ये दांव शायद टीम पर भारी पड़ गया। रहाणे की बल्लेबाजी में वो पुरानी क्लास जरूर दिखी, लेकिन ढ20 की जरूरत वाली तेजी गायब रही। उन्होंने 237 रन बनाए, लेकिन स्ट्राइक रेट सिर्फ 133 रहा। आज के ढ्ढरू में जहां पावरप्ले में मैच बदल जाते हैं, वहां इस तरह की बल्लेबाजी टीम पर दबाव बढ़ाती है। सबसे बड़ी समस्या ये रही कि रहाणे और अंगकृष रघुवंशी दोनों साथ खेलने पर टीम का टॉप ऑर्डर धीमा पड़ गया।

अक्षर पटेल: कप्तान कम, सपोर्टिंग रोल में ज्यादा?

दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन अक्षर पटेल पर भरोसा जताया था, लेकिन कप्तानी के मोर्चे पर वो असर नहीं छोड़ पाए। बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी- दोनों में अक्षर का प्रदर्शन औसत से नीचे रहा। 9 पारियों में सिर्फ 100 रन, वो भी एक पारी में 56 रन आने के बाद बाकी आठ पारियों में कुल 44 रन। स्ट्राइक रेट भी सिर्फ 112। ढ20 क्रिकेट में ये आंकड़े किसी टॉप-5 बल्लेबाज के लिए बेहद कमजोर माने जाते हैं। गेंदबाजी में भी अक्षर ने खुद का पूरा इस्तेमाल नहीं किया। 12 मैचों में सिर्फ 36 ओवर फेंकना (10 विकेट) इस बात का संकेत है कि या तो कप्तान के तौर पर वो खुद को लेकर आश्वस्त नहीं थे या टीम रणनीति में स्पष्टता नहीं थी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सजल अली ने कटवा दीं लंबी जुल्फें

नया हेयरकट देखकर बेहोश फैंस बोले- कह दो ये विग है

पाकिस्तानी एक्ट्रेस सजल अली ने अपनी एक पोस्ट से सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। नई इंस्टाग्राम पोस्ट में सजल बोल्ड पिक्सी बॉब हेयर कट में नजर आ रही हैं। लॉन्ग हेयर में नजर आने वाली सजल का पिक्सी बॉब हेयरकट फैन्स को शॉक्ड कर गया। इंटरनेट पर फैन्स के बीच बहस शुरू हो गई है। कुछ का कहना है कि उनका ये न्यू लुक असली है। कुछ कयास लगा रहे हैं कि ये लुक उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा हो सकता है। सजल ने इस हफ्ते इंस्टाग्राम पर एक नए लुक के साथ डेब्यू किया। सजल बोल्ड हेयर कट में नजर आईं, जो उनके आमतौर पर लंबे बालों से बिल्कुल अलग है। फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा 11ऋ11 ॥द्ब! इस पोस्ट में उन्होंने अपनी बहन सबूर अली को भी टैग किया। सजल को न्यू लुक में देखकर फैन्स ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी। एक फैन ने कहा कि नया हेयरकट उनके कैरेक्टर के लिए होगा। अन्य ने लिखा कि ये टेम्पररी चेंज है। ज्यादातक लोगों ने कहा कि उन्होंने विग लगाई हुई है। एक ने कहा कि कह दो कि ये विग है। कई लोगों ने एक्ट्रेस का मजाक उड़ाते हुए कहा कि इतना बोल्ड हेयरकट देखकर मैं तो शादी की प्लानिंग कैंसल कर देता। दिलचस्प बात ये है कि सजल की बहन ने भी दो हफ्ते पहले शॉर्ट हेयरकट में इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर की थीं।

चर्चा में रही शादी

सजल वो एक्ट्रेस हैं जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। 2020 में उन्होंने अहाद रजा मीर से शादी की थी, लेकिन 2022 में दोनों का तलाक हो गया। हाल ही में खबर आई कि सजल अली एक्टर हमजा सोहेल के साथ दूसरी शादी करने जा रही हैं। पर एक्ट्रेस ने शादी की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनके जीवन की कोई भी खबर सीधे उनसे ही मिलेगी। अब एक्ट्रेस का नया लुक फैन्स को कंफ्यूज कर रहा है। पिक्सी कट परमानेंट हो या अपकमिंग रोल का हिस्सा, सजल ने एक बार फिर अपने फैन्स को सरप्राइज दे दिया है। पाकिस्तानी फिल्मों के अलावा वो बॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं।

तलाक की अफवाहों के बीच मौनी रॉय की डिनर आउटिंग, कैमरे से बचती नजर आईं एक्ट्रेस

टीवी और बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मौनी रॉय एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या प्रोजेक्ट नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी चर्चाएं हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार के बीच तलाक की अफवाहें तेजी से फैल रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिसके बाद इन अटकलों ने और जोर पकड़ लिया। हालांकि, अभी तक न तो मौनी रॉय और न ही सूरज नांबियार की ओर से इन खबरों की कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है, जिससे स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इन अफवाहों के बीच मौनी रॉय को हाल ही में मुंबई के एक लोकप्रिय रेस्टोरेंट के बाहर अपने करीबी दोस्तों के साथ डिनर आउटिंग करते हुए देखा गया। जैसे ही वह रेस्टोरेंट से बाहर निकलीं, वहां मौजूद पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद करने की कोशिश की। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि मौनी रॉय काफी जल्दी में नजर आ रही हैं और कैमरों से बचने के लिए उन्होंने अपने चेहरे को मोबाइल फोन से ढकने की कोशिश की। उनकी यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।

हालांकि इस दौरान मौनी का स्टाइलिश अंदाज भी लोगों का ध्यान खींचता नजर आया। उन्होंने काले रंग की स्ट्रैपलेस फिटेड ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें उनका लुक बेहद ग्लैमरस लग रहा था। उन्होंने अपने लुक को बेहद सिंपल रखते हुए कम एक्सेसरीज कैरी की थीं, जिससे उनका ओवरऑल स्टाइल और भी आकर्षक दिखा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद फैंस के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

मेट्रो बाजार

भारत में तेजी से बढ़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें, वित्त वर्ष 35 तक 40 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक बसों की हिस्सेदारी वार्षिक बिक्री में वित्त वर्ष 35 तक बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो सकती है, जो कि फिलहाल करीब 7 प्रतिशत के आसपास है। इस दौरान पब्लिक ट्रांसपोर्ट में ईवी बसों की हिस्सेदारी बढ़कर 85 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। केपीएमजी की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की वार्षिक बिक्री 35,000 से 50,000 यूनिट्स की है और अब यह इलेक्ट्रिफिकेशन के नए दौरान में प्रवेश कर रहा है। सरकारी खरीद और इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश इस सेक्टर के अगले ग्रोथ फैक्टर्स होंगे। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारत में यात्रियों द्वारा तय की गई कुल दूरी का लगभग 57 प्रतिशत बसों द्वारा तय किया जाता है, ऐसे में इस क्षेत्र का इलेक्ट्रिफिकेशन देश की क्लीन मोबिलिटी और कार्बन उत्सर्जन कम करने की महत्वाकांक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केपीएमजी इंडिया के ऑटोमोटिव पार्टनर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लीड रोहन राव ने कहा,फ्भारत में इलेक्ट्रिक बसों की ओर बदलाव अब केवल नीतिगत पहल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक मोबिलिटी इकोसिस्टम के लिए एक संरचनात्मक परिवर्तन का अवसर बन रहा है। सरकारी खरीद कार्यक्रमों, लागत में सुधार और इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के समर्थन से सार्वजनिक परिवहन के विद्युतीकरण ने पहले ही मजबूत गति पकड़ ली है। उन्होंने बताया कि आगे चलकर, घरेलू मैन्फैक्चरिंग, फाइनेंसिंग इनोवेशन, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और परिचालन दक्षता को संयोजित करने वाले एक स्केलेबल इकोसिस्टम के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि सार्वजनिक और निजी परिवहन दोनों क्षेत्रों में सतत दीर्घकालिक विकास को समर्थन मिल सके।

ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से अप्रैल में थोक महंगाई दर में हुआ इजाफा

नई दिल्ली । थोक महंगाई दर में अप्रैल में हुई बढ़ोतरी की वजह ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में तेजी आना है, जिससे कई मैन्युफैक्चरिंग सेगमेंट्स की इनपुट लागत में वृद्धि हो गई है। यह जानकारी इंडस्ट्री चैम्बर की ओर से गुरुवार को दी गई। भारत में थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 8.3 प्रतिशत रही है। मार्च में यह आंकड़ा 3.88 प्रतिशत पर था। आंकड़ों के मुताबिक, प्राइमरी आर्टिकल्स में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 9.17 प्रतिशत रही। फ्यूल एंड पावर में महंगाई दर सालाना आधार पर 24.71 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स में महंगाई दर 4.62 प्रतिशत रही। पीएचडीसीसीआई के प्रेसिडेंट राजीव जुनेजा ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता बढ़ने के बाद भी थोक खाद्य मंहगाई दर अन्य के मुकाबले अप्रैल में कम रही है।

खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई में नरमी बनी हुई है और अप्रैल में यह सालाना आधार पर 2.31 प्रतिशत रही है। जुनेजा ने आगे कहा कि भू-राजनीतिक जोखिम में वृद्धि, आपूर्ति में व्यवधान और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में आपूर्ति-मांग में अंतर के कारण ग्लोबल ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी उछाल देखा गया। आंकड़ों के मुताबिक, क्रूड पेट्रोलियम की कीमत में थोक महंगाई दर में सालाना आधार पर 88.06 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एलपीजी में थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 10.92 प्रतिशत रही है। इससे पहले, सरकार ने खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे।भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 3.48 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.40 प्रतिशत थी।

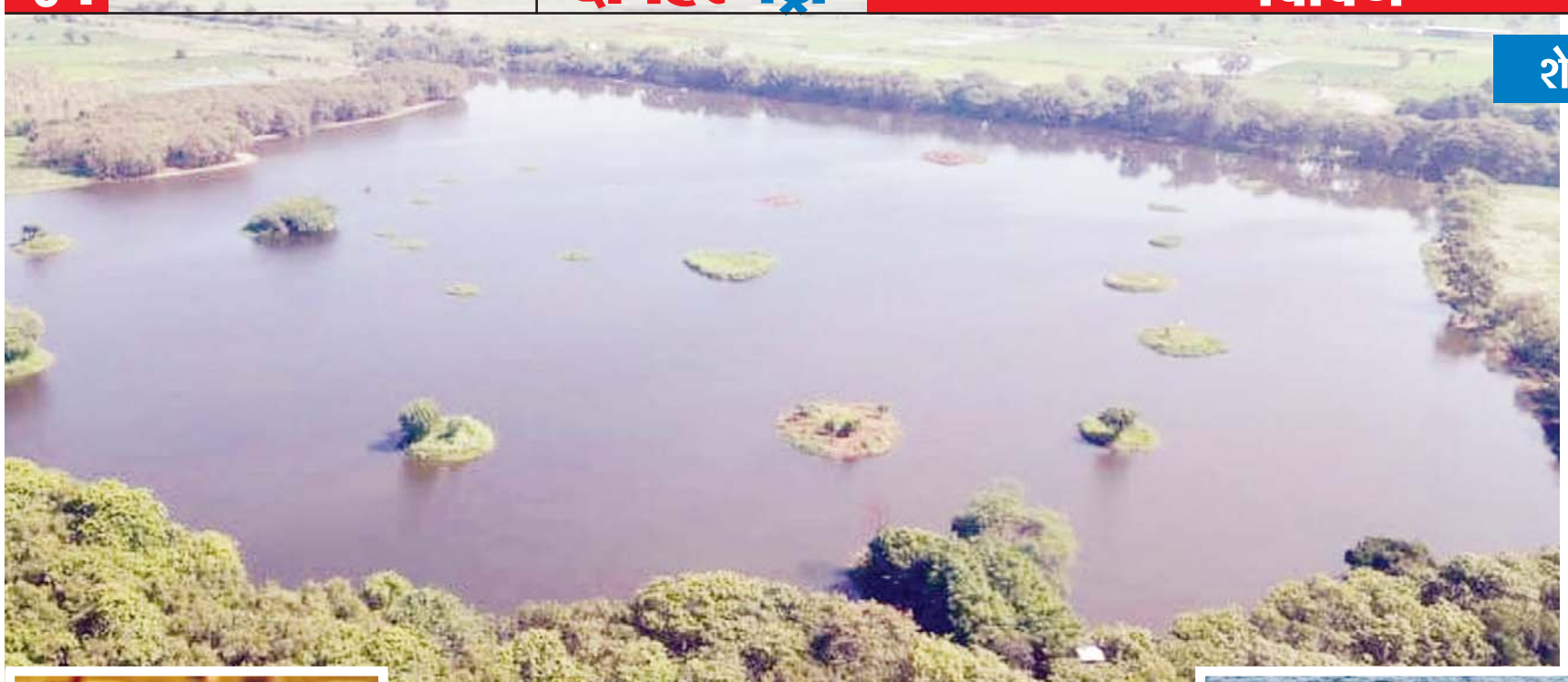

शेखा झील पक्षी अभयारण्य

भारत का 99वां रामसर स्थल

अभी कुछ ही दिनों पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित करने की घोषणा किया है, जिससे भारत में ऐसे अभयारण्यों की कुल संख्या 99 और राज्य में 12 हो गई है। भूपेंद्र यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा- 'उत्तर प्रदेश ने देशभर के इस आंकड़ें को 99 तक ले जाने का श्रेय प्राप्त कर लिया है! शेखा झील पक्षी अभयारण्यको रामसर स्थल घोषित करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।' उन्होंने कहा कि इस घोषणा से स्थानीय आजीविका और वैश्विक जैव विविधता के साथ-साथ जल और जलवायु सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा और यह 'भारत की 99वीं वर्षगांठ' का प्रतीक है, जो हमें ऐतिहासिक शताब्दी के और निकट ले जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्विकसित करने अभियान के अंतर्गत आर्द्रभूमि और पशुओं, विशेष रूप से पक्षियों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को वैश्विक समुदाय से एक बार फिर सराहना मिली है।'

महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 45डिग्री पार, यूपी में बांदा, राजस्थान में फलोदी सबसे गर्म

यूपी में आंधी-बारिश से मौत का आंकड़ा 111 तक पहुंचा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी

यूपी में आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर दुख जताया।

उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40डिग्री के पार दर्ज किया गया। महाराष्ट्र का अकोला 45.9डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। राजस्थान के फलोदी में तापमान 45.2°C, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1°C रिकॉर्ड हुआ। इधर, यूपी में बांदा राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 45.2°C रहा।

मनाली से दिल्ली जा रही बस पलटी, 20 से अधिक यात्री घायल

जीरकपुर। जीरकपुर के छत लाइट चौक के पास देर रात 3:00 बजे मनाली से दिल्ली जा रही सवारियों से भरी एक निजी बस ट्रक की टक्कर के बाद अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई।हादसा इतना भीषण था कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी फैल गई। इस दुर्घटना में करीब 20 से 22 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य को भी चोटें आई हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस जब छत लाइट चौक के पास पहुंची तो उसी दौरान जीरकपुर से पटियाला की ओर जा रहे एक ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे के बाद बस चालक संतुलन खो बैठा और बस सड़क पर पलट गई। हादसा इतना तेज था कि कई यात्री सीटों से उछलकर एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जबकि कुछ यात्री बस के अंदर ही फंस गए।

फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी उड़ान

अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से मचा हड़कंप

हैदराबाद, एजेंसी

हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर एक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप मच गया। जैसे ही फ्लाइट के एयरपोर्ट पर लैंड हुई। उसे आइसोलेशन बे में ले जाकर जांच शुरू की गई है।

यह घटना तब हुई, जब लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया कि विमान में बम रखा गया है। इसे शमशाबाद पहुंचने से पहले उसे उड़ा दिया जाएगा। जैसे ही यह धमकी वाला मेल सामने आया, तुरंत ही सुरक्षा एजेंसियां हरकत

में आ गईं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से लेकर सीआईएसएफ और एयरपोर्ट सुरक्षा यूनिट तक सभी को अलर्ट कर दिया गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि फ्लाइट सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट पर लैंड कर गई। लैंडिंग के बाद विमान को सीधे आइसोलेशन बे (अलग सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। यहां उसकी बारीकी से जांच शुरू की गई।

4 दिन भीषण गर्मी का अलर्ट, शाजापुर-नौगांव में 44.8 डिग्री तापमान

मप्र के 40 जिलों में गर्म हवा, 5 में तेज लू चलेगी

इन दिनों पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों को छोड़कर पूरा मध्य प्रदेश हीट वेव यानी लू की चपेट में है। मौसम केंद्र, भोपाल ने अगले 4 दिन तक प्रदेश में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को करीब 40 जिलों में गर्म हवा चलेगी। इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार और देवास में 15, 16 और 17 मई को तीव्र लू की चेतावनी जारी की गई है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि दोपहर 12 से 3 बजे तक गर्मी का ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर बना रहा। शाजापुर और छतरपुर के नौगांव में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों शहर प्रदेश में सबसे गर्म रहे। वहीं, 9 शहरों में पारा 44 डिग्री के पार रहा। शाजापुर-नौगांव के बाद खरगोन में पारा 44.6 डिग्री, खंडवा-रतलाम में 44.5 डिग्री, खजुराहो में 44.3 डिग्री, रायसेन-दमोह में 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हथियार तस्करी के मामले में भारतीय मूल के युवक को सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीय मूल के 27 वर्षीय युवक जशनप्रीत सिंह को अवैध हथियारों की तस्करी और मशीन गन रखने के मामले में पांच साल चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। जशनप्रीत कैलिफोर्निया के लोदी शहर का रहने वाला है और उसने 'पंजाबी डेविल्स' नाम का एक मोटरसाइकिल गैंग बनाया था। यह गैंग अमेरिका के कुख्यात बाइकर्स संगठन 'हेल्स एंजल्स' से जुड़ा बताया गया है।'

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय बाइकर गैंग: अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक 'पंजाबी डेविल्स' कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय था। अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने बताया कि जशनप्रीत सिंह को गैरकानूनी तरीके से हथियार बेचने और मशीन गन रखने का दोषी पाया गया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, जून 2025 में उसने एक अंडरकवर पुलिस अधिकारी को कई खतरनाक हथियार बेचने की कोशिश की थी। इनमें शॉर्ट बैरल राइफल, तीन असॉल्ट हथियार, मशीन गन में बदलने वाले उपकरण और एक रिवॉल्वर शामिल थे।

पेज एक से जारी...

फोन पर हुई वह आखिरी बात ...

उन्होंने भोपाल से बाहर निकलकर अहमदाबाद, मुंबई जैसे कई बड़े शहरों में हताश लोगों का सफल इलाज करके बता और जता दिया था कि उनकी खोज में कितना दम है। उन्होंने अमेरिका से लेकर कई देशों में अपने इलाज का दावा पेश किया। दिल का दौरा भी पिछले महीने के आखिरी हफ्ते में जब उन्हें आया तब भी वह अमेरिका में अपनी खोज के नतीजों के निष्कर्षों की जानकारी दे रहे थे। जब वह अमेरिका जा रहे थे तो मैनें उनसे आग्रह किया था कि अमेरिका में अपने काम के साथ ही यह टोह भी लेना कि ईरान की जंग को अमेरिका के लोग किस तरह से ले रहे हैं। आपने हेल्थ एडिटर के बतौर तो सेवाएं दी हैं पर इस पर भी लिखें। अमेरिका से लौटते ही जब वह दिल्ली से भोपाल की फ्लाइट में बैठे तो उनका वही आखिरी फोन था। जिसके बाद से हमारे संबंधों की सारी दुनिया पर विराम लग गया। उन्होंने कहा कि फ्लाइट में मंत्री और आपके मित्र कैलाश विजयवर्गीय जी भी बैठे हैं। जल्द ही टेक ऑफ होने वाला है, उनसे चाहो तो बात कर लो। मैने सिर्फ इतना ही कहा कि वह तो मैं कर ही लूंगा, लेकिन आप बताओ अमेरिका से दोपहर मेट्रो के लिए कोई रिपोर्ट क्यों नहीं भेजीं? उन्होंने कहा कि भोपाल आकर सब लिखूंगा। लेकिन मुझे क्या पता था कि यह उनसे आखिरी बार बात हो रही है। दोपहर मेट्रो परिवार की यही इच्छा है कि शायद आराधना भाभी को उनके ईजाद किये फार्मूले का अंदाजा हो तो समाज सेवा का उनका सफर आगे बढ़ेगा और हम भी इसमें सहभागी बन सकेंगे। इसी उम्मीद के साथ .. नम आंखों से डॉ , गर्ग को विदा देने के सिवाए और क्या कर सकता हूं। ईश्वर को शायद उनकी हमसे ज्यादा जरूरत रही होगी।

मणिपुर हिंसा: पांचवीं बार जांच आयोग का बढ़ाया कार्यकाल, 20 नवंबर तक सौंपनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

करीब तीन साल पहले मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा की जांच कर रहे आयोग को केंद्र सरकार ने एक बार फिर रिपोर्ट जमा करने के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय दे दिया है। अब यह आयोग अपनी रिपोर्ट 20 नवंबर 2026 तक सौंप सकेगा। गृह मंत्रालय की ओर से जारी सरकारी अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। यह जांच आयोग 4 जून 2023 को बनाया गया था। उस समय मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई हिंसा ने पूरे राज्य को हिला दिया था। हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी, जबकि हजारों लोग बेघर हो गए थे। कई घरों, दुकानों और संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया गया था।

तीन सदस्यीय इस आयोग की शुरुआत में अध्यक्षता पूर्व गौहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा कर रहे थे। हालांकि उन्होंने 28 फरवरी 2026 से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद 1 मार्च 2026 को सुप्रीम

कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बलबीर सिंह चौहान ने आयोग की कमान संभाली। आयोग यह जांच कर रहा है कि 3 मई 2023 को शुरू हुई हिंसा आखिर किन परिस्थितियों में फैली और इसके पीछे क्या कारण थे। दरअसल, उस दिन पहाड़ी जिलों में 'जनजातीय एकजुटता मार्च' निकाला गया था।

ठेंगी बाबा खरात से जुड़े मनी ट्रेल की जांच तेज

ईडी ने महाराष्ट्र महिला आयोग की पूर्व प्रमुख से की पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नासिक के ज्योतिषी और बलात्कार के आरोपी अशोक खरात से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनसीपी नेता रूपाली चाकणकर से पूछताछ की। अपना बयान दर्ज कराने के लिए वह करीब आठ घंटे तक ईडी कार्यालय में मौजूद रहीं।ईडी ने रूपाली की बहन प्रतिभा चाकणकर के बेटे तन्मय चाकणकर से भी पूछताछ की। इससे पहले जांच एजेंसी प्रतिभा का बयान भी दर्ज कर चुकी है। अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद रूपाली

चाकणकर ने राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। रूपाली, खरात द्वारा स्थापित शिवनिका ट्रस्ट की ट्रस्टियों में से एक थीं।फिलहाल, ईडी खरात और उनके ट्रस्ट के साथ चाकणकर परिवार के वित्तीय संबंधों की गहराई से जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर बाजारों में भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों का दबदबा, निर्यात के लिए रास्ता साफ

अब यूरोपीय देश भी चख सकेंगे भारत का स्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अब यूरोपीय संघ के देशों में अपने समुद्री उत्पादों का निर्यात बिना किसी बाधा के जारी रख सकेगा। यूरोपीय संघ ने अपनी नई और संशोधित मसौदा सूची में भारत का नाम शामिल कर लिया है, जिससे भारतीय व्यापारियों और मछुआरों के लिए विदेशी कमाई का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। पहले इस बात का डर था कि भारत को इस सूची से बाहर रखा जा सकता है, लेकिन अब सरकार के प्रयासों के बाद भारत ने अपनी जगह पक्की कर ली है।

यूरोपीय संघ दुनिया के उन बाजारों में से एक है जहाँ खाने-पीने की चीजों को लेकर बहुत सख्त नियम होते हैं। भारत पहले उन देशों की सूची में शामिल नहीं था जिन्हें सितंबर 2026 से पशु मूल के उत्पादों के निर्यात की अनुमति मिलने वाली थी। यदि भारत इस सूची में नहीं आता, तो भारतीय मछली और अन्य समुद्री उत्पादों का यूरोप जाना बंद हो सकता था। लेकिन अब भारत ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि हमारे यहाँ से भेजे जाने वाले उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और यूरोपीय संघ के सभी कड़े मानकों को पूरा करते हैं, जिसके बाद हमें यह हरी झंडी मिल गई है।

निर्यात को सुरक्षित बनाने के लिए उठाए बड़े कदम

भारत को इस सूची में शामिल करने के पीछे सबसे बड़ी वजह स्वास्थ्य सुरक्षा है। असल में, यूरोपीय संघ इस बात को लेकर बहुत गंभीर है कि जानवरों या मछलियों के पालन में ऐसी दवाओं का उपयोग न हो जो इंसानों के लिए हानिकारक हों। भारत ने गारंटी दी कि यूरोपीय संघ को भेजे जा रहे उत्पाद रोगाणुरोधी औषधीय उत्पादों और मानव चिकित्सा के लिए

संरक्षित दवाओं से पूरी तरह मुक्त हैं। आसान भाषा में कहें तो भारतीय सीफूड में ऐसी किसी दवा का अंश नहीं है जो सेहत बिगाड़ दे। इसी भरोसे और आश्वासन के बाद यूरोपीय संघ ने भारत को अपनी सुरक्षित देशों की सूची में जगह दी है।

भारतीय समुद्री खाद्य उद्योग के लिए यूरोपीय बाजार बहुत महत्वपूर्ण

यूरोपीय संघ भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों के लिए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2025-26 के दौरान भारत ने यूरोप को 1.593 अरब डॉलर मूल्य का सीफूड निर्यात किया। पूरे भारत से होने वाले समुद्री उत्पाद निर्यात में अकेले यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 18.94 फीसदी है। यह बाजार इतना बड़ा है कि अगर यहाँ निर्यात रुकता, तो भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता। अब रास्ता साफ होने से न केवल व्यापार बढ़ेगा, बल्कि देश के राजस्व में भी बड़ा इजाफा होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564